राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 102 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 24 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु से आईएसआई और बांग्लादेशी संगठनों से जुड़े 6 संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने देश को दहलाने की एक बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश करते हुए तमिलनाडु से छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, ये संदिग्ध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों के इशारे पर भारत में एक बड़े हमले की योजना बना रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबात, उमर, मोहम्मद लिटन, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जवल के रूप में हुई है। ये सभी असामाजिक और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में गहराई से लिप्त पाए गए हैं। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि ये सभी आरोपी अपनी असली पहचान छिपाकर तमिलनाडु में रह रहे थे। इन्होंने फर्जी आधार कार्ड बनवा रखे थे और इसी जाली पहचान के सहारे वे स्थानीय कपड़ा उद्योग में काम कर रहे थे ताकि किसी को उन पर शक न हो। पुलिस ने सटीक खुफिया इनपुट के आधार पर छापेमारी करते हुए दो आरोपियों को उथुकुली से, तीन को पल्लदम से और एक अन्य को तिरुमुरुगनपुंडी क्षेत्र से दबोचा है।

दर्द से फर्श पर तड़पती रही गर्भवती, 'एचआईवी पॉजिटिव' बताकर डॉक्टरों ने डिलीवरी से किया इनकार

सोनपुर। बिहार के सोनपुर से स्वास्थ्य व्यवस्था की घोर लापरवाही और अमानवीयता को उजागर करने वाला एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां के अनुमंडलीय अस्पताल में डिलीवरी के लिए आई एक स्वस्थ गर्भवती महिला को अस्पताल कर्मियों ने गलत जांच रिपोर्ट के आधार पर एचआईवी पॉजिटिव बता दिया और उसे छूने तक से साफ इनकार कर दिया। दर्द से कराहती रही इस महिला के साथ हुए इस दुर्व्यवहार के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और अस्पताल परिसर में भारी हंगामा मच गया। यह पूरी घटना सरकारी अस्पतालों में मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और जांच की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करती है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, नयागांव थाना क्षेत्र की रहने वाली यह गर्भवती महिला अपनी नियमित जांच के लिए पहले भी कई बार इसी अस्पताल में आ चुकी थी। शनिवार सुबह जब उसे प्रसव पीड़ा शुरू हुई, तो घबराए हुए परिजन उसे तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन यहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने जांच के बाद उसे एचआईवी संक्रमित घोषित कर दिया और डिलीवरी कराने से स्पष्ट मना कर दिया। महिला दर्द से तड़पती रही और उसके परिवार वाले लगातार डॉक्टरों और नर्सों से मदद की गुहार लगाते रहे।

विधानसभा में राज्यपाल का अभिभाषण

आतंक का साया हटता है तो विकास का उजाला स्वत : फैलता है-राज्यपाल

- दुनिया बस्तर में अब बारूद का धुंआ नहीं जलप्रपात का दुधिया नज़ारा देखेगी
- भाजपा सरकार ने बनाई आत्मसमर्पण की बेहतर पालिसी

रायपुर। समय दर्शन

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र के आज पहले दिन सदन में राज्यपाल रमेन डेका ने अपने अभिभाषण में कहा कि जब आतंक का साया हट जाता है तो विकास का उजाला स्वत: ही फैल जाता है और लोगों का जीवन रोशन हो जाता है। हमने बीते दो वर्षों में माओवादी आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में बड़ी सफलता प्राप्त की है। दो वर्षों में 532 माओवादी न्यूट्रलाइज किए गए। 2 हजार 704 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया तथा 2हजार 4 माओवादी गिरफ्तार किये गये। सरकार ने आत्मसमर्पण की बेहतर पालिसी बनाई है, जिसके फलस्वरूप भटके हुए युवा अब मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। हथियार छोड़कर संविधान की प्रति हाथों में थाम रहे हैं। प्रदेश तेजी से माओवादी आतंक से मुक्ति की दिशा में बढ़ रहा है। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम की मेजबानी छत्तीसगढ़ को मिली है। ट्राइबल गेम्स के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सुंदर जनजातीय संस्कृति की झलक भी देश दुनिया को दिखेगी। इस आयोजन के माध्यम से दुनिया अब बस्तर में बारूद का धुँआ नहीं अपितु चित्रकोट जलप्रपात का भव्य दूधिया नजारा देखेगी। बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन के पश्चात सरकार सरगुजा ओलंपिक का आयोजन भी कर रही है। राज्यपाल ने कहा कि जिन धुर नक्सल प्रभावित इलाकों को माओवाद से मुक्त किया गया है वहां 'नियद नेल्ला नार योजना' के माध्यम से बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। इस योजना में 17 विभागों की भागीदारी है और शासन की 25 कल्याणकारी योजनाओं तथा 18 सामुदायिक सुविधाओं का लाभ हितग्राहियों को दिया जा रहा है। बस्तर में विकास के लिए कनेक्टिविटी को विशेष प्राथमिकता दी है। 146 सड़क एवं पुल निर्माण कार्यों के लिए 1109 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गयी है। अनेक महत्वपूर्ण सड़क एवं पुलों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा अनेक कार्य प्रगति पर हैं। बीजापुर जिले में बीजापुर-आवापल्ली-जगरगुण्डा तथा बीजापुर-मोदकपाल-तारलागुड़ा, सुकमा जिले में गादीरास से मनकापाल, नारायणपुर जिले में गारपा से कच्चापाल, गारपा से आकाबेड़ा सड़कों के निर्माण के साथ ही बासागुड़ा-धरमावरम-पामेड़ मार्ग में चिंतावागु नदी में, नेलसनार-गंगालूर मार्ग में मरी नदी, तुमका नदी तथा मिंगाचल नदी में तथा पेदारास से डोलेरास में फूल नदी पर पुलों का निर्माण पूर्ण किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 728 मोबाइल टॉवर चालू किए गए हैं। साथ ही 449 मोबाइल टॉवरों को 4जी में अपग्रेड किया गया। गांवों तक डीटीएच कनेक्शन पहुंचा है और रात को हाई मास्ट लैंप से गांव जगमगाने लगे हैं। एक बड़ा फायदा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का भी है, जिनमें अब तक ये नक्सल प्रभावित क्षेत्र पीछे रह गये थे। 31 नई प्राथमिक शालाएं और 19 उपस्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत किये गये हैं। माओवादी आतंक के चलते यहां बच्चों का टीका भी नहीं हो पाता था, नियद नेल्ला नार योजना के आरंभ होने से अब तक 11 हजार से अधिक बच्चों एवं महिलाओं को टीके लगाये गए हैं। इससे आने वाली पीढ़ी का स्वास्थ्य सुरक्षित हो रहा है।राज्यपाल ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बंगाल के मतदाताओं को मोदी का पत्र

सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर व्यक्ति दुखी-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी

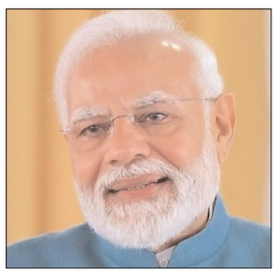

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को पत्र लिखा है। पीएम मोदी ने 'एबार भाजपा सरकार' का नारा देते हुए ममता बनर्जी को घेरा है। पीएम ने लिखा है कि सोनार बंगाल का सपना देखने वाला हर व्यक्ति दुखी है। पश्चिम बंगाल में माताएं-बहनें आज सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। पीएम मोदी ने पत्र में लिखा है, जय मां काली अब बस कुछ ही महीने में पश्चिम बंगाल का भाग्य सुनिश्चित हो जाएगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करता है। मेरे सोनार बंगाल के सपने देखने वाला हर एक जवान, बूढ़ा और महिला आज बहुत पीड़ा में हैं। उनकी पीड़ा से आज मेरा हृदय भी व्यथित है। इसलिए, मैंने मन की गहराइयों से एक संकल्प लिया है, पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध बनाने का संकल्प। पिछले 11 वर्षों में देशवासियों के आशीर्वाद को ताकत बनाकर मेरी सरकार ने जनकल्याण और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

पश्चिम बंगाल में अब परिवर्तन अनिवार्य है-पीएम मोदी

उन्होंने लिखा, लेकिन कब तक हम चुपचाप यह सब सहते रहेंगे? अब परिवर्तन अनिवार्य है। देश के कई राज्यों में आज जीवन स्तर बेहतर हुआ है, गरीबों के चेहरे पर मुस्कान आई है। 'आयुष्मान भारत' से स्वास्थ्य सुरक्षा मिली है, युवाओं को रोजगार मिला है और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। पश्चिम बंगाल भी इस विकास और प्रगति का पूरा हकदार है।

कार्डियक अरेस्ट बना जानलेवा

बंगाल के कद्दावर नेता मुकुल रॉय का 71 साल की उम्र में निधन.....

कोलकाता/ एजेंसी

पूर्व रेल मंत्री और टीएमसी नेता मुकुल रॉय का कल रात 1:30 बजे कोलकाता के साल्ट लेक के अपोलो हॉस्पिटल में कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया, उनके बेटे सुभ्रांशु रॉय ने इसकी पुष्टि की। मुकुल रॉय का सोमवार तड़के करीब 1:30 बजे एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। बंगाल की राजनीति में अहम रणनीतिकार माने जाने वाले मुकुल रॉय के निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। पश्चिम बंगाल की राजनीति के एक युग का अंत हो गया है। तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से एक और पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री मुकुल रॉय का आज यानी सोमवार, 23 फरवरी 2026 को तड़के कोलकाता के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। 71 वर्षीय रॉय पिछले कुछ वर्षों से सक्रिय राजनीति से दूर थे।दिग्गज नेता मुकुल रॉय ने सोमवार तड़के करीब 1:30 बजे कोलकाता के साल्ट लेक स्थित अपोलो अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे शुभ्रांशु रॉय ने पुष्टि की है कि उन्हें कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) पड़ा था, जिसके बाद उनका निधन हो गया। रॉय के निधन की खबर मिलते ही बंगाल के राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई है। वे अपने पीछे एक समृद्ध राजनीतिक विरासत छोड़ गए हैं, जिसने बंगाल की सत्ता संरचना को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मुकुल रॉय को एक समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बाद तृणमूल कांग्रेस में दूसरा सबसे शक्तिशाली व्यक्ति माना जाता था।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के मोबाइल चलाने पर लगेगा बैन? सीएम ने कुलपतियों से मांगा सुझाव

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार राज्य में 16 साल से कम उम्र के छात्रों के मोबाइल फोन इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की एक बड़ी योजना पर गंभीरता से विचार कर रही है। छात्रों में तेजी से बढ़ती सोशल मीडिया की लत और नशीली दवाओं के संपर्क में आने के खतरों को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। इस अहम मुद्दे पर राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ चर्चा की और उनसे इस प्रस्तावित प्रतिबंध पर उनकी राय मांगी है। मुख्यमंत्री ने छात्रों के व्यवहार, उनकी शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर मोबाइल फोन के पड़ रहे।

सीजेआई की पीठ ने कहा-पर्याप्त आधार नहीं

तिरुपति लड्डू विवाद पर सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका हुआ खारिज...

नई दिल्ली/ एजेंसी

तिरुपति के तिरुमला मंदिर में प्रसादम लड्डू बनाने में इस्तेमाल घी में कथित मिलावट मामले से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका खारिज कर दी है। स्वामी ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा एसआईटी रिपोर्ट की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति गठित करने के फैसले को चुनौती दी थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिका को पर्याप्त आधार के अभाव में खारिज करते हुए कहा कि राज्य सरकार की ओर से गठित एक सदस्यीय समिति की प्रशासनिक जांच आपराधिक कार्यवाही से ओवरलैप नहीं करेगी, क्योंकि दोनों की जांच का दायरा स्पष्ट रूप से अलग-अलग निर्धारित है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि प्रशासनिक जांच और चार्जशीट से संबंधित आपराधिक प्रक्रिया में किसी तरह का टकराव या हितों का टकराव नहीं है। ऐसे में दोनों प्रक्रियाएं कानून के अनुसार समानांतर रूप से चल सकती हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जांच और पूछताछ के दायरे को स्पष्ट रूप से तय किया गया है, इसलिए कार्यवाही के ओवरलैप होने की आशंका नहीं बनती। बता दें कि एसआईटी की जांच में सामने आया है कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर को घी बताकर जो सामान बेचा गया, वह असल में केमिकल से प्रोसेस किया हुआ पामोलिन तेल और अन्य चीजें थीं। अब ईडी यह पता लगाएगी कि आरोपियों ने मिलावटी घी बेचकर पैसे कैसे कमाया।

तुरंत छोड़ो तेहरान-भारत ने जारी की एडवाइजरी

ईरान पर किसी भी वक्त हमला कर सकता है अमेरिका....

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अपने नागरिकों के लिए एक नई सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। ईरान में भारतीय दूतावास ने एक बयान में अपील की है कि भारतीय नागरिक तुरंत ईरान छोड़ दें। दूतावास ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द ईरान से बाहर निकलें। इसके साथ ही, कुछ अन्य दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। भारत सरकार ने जनवरी में जारी अपनी पिछली एडवाइजरी को फिर से दोहराया, जिसमें भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों से ईरान में सावधानी बरतने और विरोध प्रदर्शनों से दूर रहने की अपील की गई थी। एडवाइजरी में यह भी कहा गया था कि नागरिकों को भारतीय दूतावास से संपर्क बनाए रखना चाहिए और स्थानीय मीडिया के जरिए घटनाओं की जानकारी लेते रहना चाहिए। दूतावास ने नागरिकों को यह भी सलाह दी है कि वे अपने इमिग्रेशन और यात्रा दस्तावेज़ों को हमेशा अपने पास रखें और किसी भी सहायता के लिए भारतीय दूतावास से संपर्क करें। इसके लिए भारतीय दूतावास ने एक हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है, जिस पर फंसे हुए नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं: +989128 109115, +989128 109109, +989128 109102, +989932 179359। लेबनान में हिजबुल्लाह के करीबी सूत्रों ने सऊदी अखबार अल-अरबिया को बताया है कि ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने हिजबुल्लाह की कमान अपने हाथों में ले ली है। रिपोर्ट के अनुसार,आईआरजीसी के अधिकारी

हाल ही में लेबनान पहुंचे और हिजबुल्लाह की सैन्य ताकत को बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। इस समय हिजबुल्लाह के लड़ाकों की जानकारी जुटाई जा रही है और उन्हें रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया जा रहा है। सऊदी अखबार ने यह भी बताया कि आईआरजीसी के अधिकारी बेका घाटी में हिजबुल्लाह की मिसाइल यूनिट के साथ बैठक कर रहे थे, तभी इजरायल ने वहां बमबारी कर दी। इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए। इजरायल रक्षा बलों के अनुसार, यह हमले हिजबुल्लाह और हमास के कमांड सेंटरों को निशाना बनाकर किए गए थे। ईरान ने तनाव के बीच रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने सय्याद-3 जी मिसाइल का परीक्षण किया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मच गई। यह परीक्षण इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की नौसेना ने स्मार्ट कंट्रोल ऑफ द स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अभ्यास के तहत किया। सय्याद-3 जी मिसाइल को शहीद सय्याद शिराजी युद्धपोत से लॉन्च किया गया, जो शहीद सोलेमानी-क्लास का तीसरा जहाज है। अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम पर नया एग्रीमेंट करने के लिए 10-15 दिन का अल्टीमेटम दिया है, और अगर ऐसा नहीं हुआ तो गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी दी है। अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में बड़े पैमाने पर मिलिट्री फोर्स तैनात की है, जिसमें वॉरशिप, फाइटर जेट और दूसरे रिसोर्स शामिल हैं। ईरान में प्रोटेस्ट और झड़पें बढ़ रही हैं, जिससे सिक्योरिटी की हालत नाजुक हो गई है।

भारत देश ने जारी किया ईरान छोड़ने का फरमान

ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव बढ़ गया है। इस तनाव को देखते हुए इंडियन एम्बेसी ने भारतीय नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दी है। नागरिकों से कहा गया है कि वे अपने ट्रैवल और पहचान के डॉक्यूमेंट तैयार रखें और एम्बेसी के संपर्क में रहें। जिन भारतीयों ने अभी तक रजिस्टर नहीं किया है, उन्हें एम्बेसी के ऑफिशियल लिंक से ऐसा करने की सलाह दी गई है। तेहरान में इंडियन एम्बेसी ने 23 फरवरी 2026 की अपनी पिछली एडवाइजरी को दोहराते हुए ईरान में भारतीय नागरिकों (स्टूडेंट्स, तीर्थयात्रियों, बिजनेसमैन और टूरिस्ट) से अपील की है कि वे बदलते हालात को देखते हुए कमर्शियल फ्लाइट्स समेत मौजूद तरीकों का इस्तेमाल करके देश छोड़ दें। एडवाइजरी में ईरान में भारतीयों से सावधानी बरतने, विरोध प्रदर्शनों से बचने, एम्बेसी के संपर्क में रहने और अपने ट्रैवल और पहचान के डॉक्यूमेंट तैयार रखने की भी अपील की गई है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सरकार ने बदला फैसला, होली पर शराब दुकानें रहेंगी बंद आवाज रंग लाई

जांजगीर-चांपा // समय दर्शन // होली के पावन पर्व पर शराब दुकानें खोलने के फैसले का विरोध करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने होली के दिन शराब दुकान बंद करने की मांग की थी जिस पर भाजपा सरकार ने यू टर्न लिया है भाजपा सरकार का अजीबो गरीब फैसला था होली के दिन जहां सभी व्यापारिक दुकान बंद **रहती और सिर्फशराब दुकान खूलती**- विभिन्न समाचार पत्रों और वेब पोर्टलों में खबर प्रकाशित होने के बाद राज्य सरकार ने अपना निर्णय बदलते हुए होली के दिन शराब दुकानें बंद रखने का आदेश जारी कर दिया है। इस संबंध में प्रतिक्रिया देते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता नागेंद्र गुप्ता ने कहा कि यह जनभावना और सामाजिक दबाव की जीत है। उन्होंने कहा कि होली प्रेम, सद्भाव और भाईचारे का त्योहार है, ऐसे में शराब दुकानें खुली रखने का निर्णय सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से उचित नहीं था। समाचार माध्यमों द्वारा मुद्दे को प्रमुखता से उठाने और आम जनता की भावना सामने आने के बाद सरकार को अपना फैसला बदलना पड़ा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि होती है और जब संगठित रूप से सामाजिक सरोकार से जुड़ा मुद्दा उठाया जाता है तो सरकार को निर्णय पर पुनर्विचार करना ही पड़ता है। होली को ड्राई डे घोषित किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने इसे समाज की सकारात्मक सोच और जागरूकता की जीत बताया।

विशाल देशमुख बने दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस के पुनः उपाध्यक्ष

दुर्ग। दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण की नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विशाल देशमुख को एक बार फिर दुर्ग जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री देशमुख की पुनर्नियुक्ति पर पार्टीजनों में हर्ष का माहौल है। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर, युवा नेता क्षितिज चंद्राकर, पूर्व साडा अध्यक्ष लक्ष्मण चंद्राकर, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, अलताफ अहमद, पार्षद दीपक साहू, संजय कोहले सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। नेताओं ने विश्वास जताया कि श्री देशमुख के संगठनात्मक अनुभव और सक्रिय नेतृत्व से जिले में कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा आगामी चुनावों में पार्टी को इसका लाभ मिलेगा।

मंडी बोर्ड से होंगे समितियों में निर्माण कार्य, 23 फरवरी को होगा सावनी और केसरा में भूमिपूजन

पाटन। मंडी बोर्ड दुर्ग के द्वारा सेवा सहकारी समिति में विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी गई है ।पाटन ब्लॉक के भी समितियां में भवन, बाउंड्री वॉल, शेड सहित अन्य निर्माण कार्य होंगे। इसके लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम 23 फरवरी को रखा गया है । सर्वप्रथम ग्राम सांवनी में आयोजित कार्यक्रम में आसपास के सभी सेवा सहकारी समितियां में होने वाले निर्माण कार्यों की भूमि पूजन किया जाएगा । इसके अलावा ग्राम केसरा में भी दोपहर को भूमिपूजन का कार्यक्रम रखा गया है । जिसमें दक्षिण पाटन क्षेत्र के समस्त समितियां में कराए जाने वाला कार्यों के लिए आधारशिला रखी जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल होंगे। अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा करेंगे। विशेष अतिथि के रूप में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक , जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष कीर्ति नायक , जिला पंचायत सदस्य नीलम राजेश चंद्राकर , कल्पना नारद साहू , जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा, सहित मंडल अध्यक्ष रानी केशव बंछोर, कमलेश चंद्राकर कमलेश साहू ,ज्योति साहू, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर राजा पाठक सहित स्थानीय जनपद सदस्य एवं सरपंच गण होंगे।

निधन : मनीष कुमार देवांगन

बिर्रा -आदर्श ग्राम पंचायत केरा मनीष कुमार देवांगन(उम्र 22 वर्ष)पिता गंगा प्रसाद देवांगन का विगत दिनों केरा मिस्दा मार्ग में एक्सीडेंट हो गया था ।रायपुर में इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया ।वे बिर्रा के शिक्षक मूलचंद देवांगन के भांजे थे। विनम्र श्रद्धांजलि

नफरतों को प्यार से ही मारेंगे प्यार में एक उम्र गुजरी है अभी और बातें प्यार पर ही वारेंगे-संतोषी श्रद्धा

(शिकारीनार में वीणा पाणी की वंदना के साथ देर रात चला कवि सम्मेलन का दौर ठहाकों के बीच नंदा जाही का की शानदार प्रस्तुति)

बिर्रा - //समय दर्शन // आरोही और अद्वित का जन्म श्याम चंचल की आंगन के फूल को एक यादगार शाम बनाने सक्ती जिले के जैजैपुर विकासखण्ड के सिदारिन दाई की पावन धरा शिकारीनार में आयोजित हंसी ठहाकों की यादगार शाम बनाने आयोजित कवि सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के साहित्यिक पुरोधा गीतकार कवि मीर अली मीर ने अपनी गीत के माध्यम से लोक परंपरा को जागृत करने नंदा जाही का ग नंदा जाही के माध्यम से अपनी शानदार गीत प्रस्तुत किया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ मां वीणा पाणी सरस्वती की पूजा अर्चना वंदना कर किया गया।अपनी गीत ग़ज़ल की वीणा पाणी सरस्वती को नमन करते हुए एकमात्र मातृ शक्ति कवियित्री संतोषी श्रद्धा महंत ने मधुर आवाज़ में सबसे पहले सरस्वती वंदना की प्रस्तुत दी।इसके पूर्व अतिथियों ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रथम नागरिक सरपंच श्रीमती कल्याणी गंगाधर चंद्रा, वरिष्ठ कवि मीर अली मीर (रायपुर), सुरेश पैगवार (जांजगीर), सूत्रधार मंच संचालक शशिभूषण स्नेही, कवियित्री संतोषी श्रद्धा महंत,कैलाश कुंआरा, जितेन्द्र पांडेय,बीएस चौहान द्वारा मां

सरस्वती की पूजा अर्चना कर किया गया।आयोजक श्याम चंचल चंद्रा परिवार ने सभी अतिथि कविगण का श्रीफल स्मृति चिन्ह पुष्पमाला और बेच लगाकर स्वागत किया गया। स्वागत संचालन जितेन्द्र तिवारी बिर्रा ने किया।कविता के दौरान में हास्य व्यंग के कवि सूत्रधार शशिभूषण स्नेही ने सभी आमंत्रित कवियों का परिचय दिया।अपनी काव्य पाठ में छत्तीसगढ़ के रसखान कहे जाने वाले मीर अली मीर ने लुप्त हो रही परंपरा/ संस्कृति को नई पीढ़ी के लिए जड़ों और संस्कृति से जोड़ने का एक माध्यम बताया। उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ रचना नंदा जाही का ग को खोती हुई विरासत के प्रति भावुकता दर्शाया । उन्होंने कमरा (कंबल) खुमरी (टोपी) और खेती के तौर-तरीकों को धीरे-धीरे गायब होने पर दुःख व्यक्त किया। जांजगीर से आए कवि सुरेश पैगवार ने विभिन्न कविता के साथ ऋतु बसंत की निराली छटा पर बहुत सुंदर प्रस्तुति दी।साथ ही अपनी सुमधुर आवाज में एकमात्र मातृ शक्ति कवियित्री कोरबा से संतोषी श्रद्धा महंत ने कविता पाठ में

नफरतों को प्यार से ही मारेंगे, प्यार में एक उम्र गुजरी है अभी और बातें प्यार पर ही वारेंगे सुनाकर श्रोताओं को ताली बजाने मजबूर कर दिया। वहीं ओजस्वी कवि कैलाश कुंआरा बालोद से कुंवरों पर जोरदार प्रस्तुति दी और बसना से पधारे कवि हितेन्द्र पांडेय ने आज की राजनीति पर कटाक्ष किया जिससे पूरा पंडाल हिल गया।देर रात तक चले हंसी ठहाकों का कार्यक्रम को सफल बनाने केआर चंद्रा संस्कार स्कूल,टी आर चंद्रा नर्मदा स्कूल, बीएल सागर कैरियर पाईंट स्कूल, गजपति लाल चंद्रा, महेंद्र कौशिक,शुभम थवाईत, हरिलाल चंद्रा, श्रीमती सहोदरा चंद्रा,श्याम चंचल चंद्रा,सेवकलाल चंद्रा,भानू चंद्रा,नीलम चंद्रा,तुलेश चंद्रा, अविनाश चन्द्रा,शिवम देवांगन, लीलाधर चंद्रा, रघुनंदन प्रसाद,प्रकाश चंद्रा,नवधा प्रसाद सहित बड़ी संख्या आसपास के ग्रामीण शामिल हुए थे।इस तरह का यह पहला आयोजन था जिससे लोगों में जिज्ञासा बनी हुई थी।

सुकमा में पीएमश्री स्कूल में साइबर सुरक्षा और नशा उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सुकमा। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पेंटा सुकमा-1 में 19 फरवरी 2026 को सायबर सिक्यूरिटी ऑवरनेश सीजन और नशा उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचने के उपायों और नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में निशांत पाठक (डीएसपी, सुकमा) और सुखविंदर सिंह (सहायक कमांडेंट, 223 बटालियन, दोरनापाल) उपस्थित रहे। वहीं, विपिन उपाध्याय (थाना प्रभारी, दोरनापाल) और उदयभान चतुर्वेदी (इंस्पेक्टर, 223 बटालियन सीआरपीएफ़ दोरनापाल) विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल के मार्गदर्शन में हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत में सुखविंदर सिंह ने शहीद जवानों के परिवारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अतिथियों ने शहीद परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र उनके बलिदान को हमेशा याद रखेगा। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

निशांत पाठक ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराते हुए साइबर फ्रॉड, फिशिंग, ओटीपी धोखाधड़ी, फर्जी कॉल और सोशल मीडिया के दुरुपयोग से बचने के उपाय बताए। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी साझा न करें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इसके साथ ही उन्होंने डिजिटल साक्षरता की महत्ता को भी समझाया और इसे आज के समय की आवश्यकता बताया।

श्री निशांत पाठक ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाया और कहा, युवा वर्ग हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी धरोहर है। उन्हें अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहना चाहिए और नशे से दूर रहना चाहिए। पुलिस उपमहानिदेशक, रायपुर के निर्देशानुसार अतिथियों ने विद्यार्थियों को नशामुक्ति के उपायों और साइबर सुरक्षा संबंधी सुरक्षात्मक उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य श्री संजय कुमार मंडल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने पुलिस और सुरक्षा बलों के सहयोग से भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने नशामुक्त और सुरक्षित डिजिटल जीवन जीने का संकल्प लिया और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान देने का वचन लिया।

होली में शराब दुकानें खुलने पर जोगी कांग्रेस नेता शमसूल आलम ने आबकारी आयुक्त आर. संगीता पर लगाए गंभीर आरोप, प्रदर्शन की दी चेतावनी

राजनांदगांव। भाजपा सरकार द्वारा शराब दुकानों को लेकर जारी आदेशों के बावजूद 30 जनवरी को शराब दुकान का खुला रहना और होली में शराब दुकानों को बंद न करने के फैसले पर अब सियासी हलचल बढ़ गई है। विपक्षी दलों ने इसे लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं और आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ की आबकारी आयुक्त आर. संगीता का निजी स्वार्थ इस फैसले के पीछे छिपा हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, आबकारी आयुक्त आर. संगीता के पास पूरी शक्ति है कि वह तत्काल प्रभाव से आदेश जारी कर सकती हैं, जिससे होली के दिन शराब की दुकानें बंद हो सकें। लेकिन ऐसा न करने के पीछे उनका टारगेट पूरा करने की मंशा जताई जा रही है। विपक्ष का कहना है कि इसके चलते युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

सूत्रों ने यह भी बताया कि प्रदेश के सभी कलेक्टरों को शराब के टारगेट को पूरा करने के आदेश दिए गए हैं, जो इस

विवाद को और तूल दे रहा है। इसके विरोध में जोगी कांग्रेस ने भाजपा सरकार आबकारी आयुक्त आर. संगीत के खिलाफ खुलकर अपनी आवाज उठाई है।

अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने आरोप लगाया कि यह कदम राज्य में शराब की खपत बढ़ाने की ओर एक और कोशिश हो सकती है, जिससे छत्तीसगढ़ को शराबियों का गढ़ बनने से बचाना जरूरी है।

आलम ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मामले में कोई ठोस आदेश जारी नहीं किया गया तो राजधानी रायपुर में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। जोगी कांग्रेस इस मुद्दे को प्रदेश स्तर पर उठाते हुए इसे लेकर सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है। इस विवाद के बीच प्रदेश सरकार के फैसले को लेकर राजनीति गरमा गई है और अब देखना यह होगा कि क्या जल्द ही शराब दुकानों के संबंध में कोई आदेश जारी होता है या स्थिति जैसी की तैसी बनी रहती है।

बिजली विभाग के सहायक अभियंता से मिले कांग्रेस नेता आसिफ अली

राजनांदगांव। स्टेशन पारा ओहर ब्रिज के पास स्थित बिजली पोल के गिरने की आशंका को लेकर कांग्रेस नेता आसिफ अली ने बिजली विभाग के सहायक अभियंता रोहित मंडावी से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि पोल के गिरने से जनहानि हो सकती है, इसलिये तत्काल नया पोल लगाने की आवश्यकता है।

सहायक अभियंता ने मामले को गंभीरता से लिया और मौके का सर्वे कराने के बाद जल्द ही नया पोल लगाने का आश्वासन दिया। इससे जनहानि की संभावना पूरी तरह से खत्म हो

जाएगी।

इसके अलावा, आसिफ अली ने गर्मी के मौसम को देखते हुए बिजली के ट्रांसफार्मर लगाने और मेंटेनेंस कार्यों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गर्मी में बार-बार बिजली कटौती से आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है, इसलिये विभाग को समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करनी चाहिए। सहायक अभियंता ने भरोसा दिलाया कि विभाग इस पर शीघ्र कार्रवाई करेगा, ताकि गर्मी के मौसम में बिजली की समस्या न हो।

कुम्हारी में झाड़ियों में मिला अज्ञात युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

दुर्ग। कुम्हारी क्षेत्र में एक खाली प्लॉट की झाड़ियों में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है ।बताया जा रहा है कि खाली प्लॉट से आ रही तेज बदबू के कारण आसपास के लोगों को शक हुआ। जब लोगों ने झाड़ियों के पास जाकर देखा तो वहां एक शव पड़ा मिला, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई ।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू की। साथ ही क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि मृतक की पहचान और घटना की वजह का पता लगाया जा सके ।जांच के दौरान मृतक की जेब से केसिंगा (ओडिशा) रेलवे स्टेशन की टिकट बरामद हुई है। वहीं शव के पास से एक इंजेक्शन भी मिला है, जिससे प्रथम दृष्टया अधिक मात्रा में नशीले पदार्थ के सेवन से मौत की आशंका जताई जा रही है ।फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक

बैंकों में ऋण प्रकरणों के प्रस्ताव स्वीकृति में देरी पर कलेक्टर ने जताई नाराज़गी, बैंकों को प्रकरणों को शीघ्र स्वीकृति के निर्देश

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से करने के निर्देश

अवैध रेत उत्खनन पर ग्राम निगरानी समिति बनाने के निर्देश, एसडीएम, तहसीलदार को देंगे सूचना

धान खरीदी के दौरान पीवी में अनियमितता पाए जाने पर कार्रवाई करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा/समय दर्शन। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण तथा आमजन से जुड़े विकास कार्यों की स्थिति पर समीक्षा करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने धान खरीदी के दौरान पीवी (भौतिक सत्यापन) में जहां-जहां गड़बड़ी पाई गई है, वहां तत्काल जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिले में शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित ऋण प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि अंत्यव्यवसायी योजना, प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम, एनआरएलएम से जुड़े ऋण प्रकरणों में बैंकों में अनावश्यक देरी की जा रही है जिस पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। साथ ही बताया गया कि विभागों द्वारा स्वीकृत अनेक प्रस्ताव विभागों के माध्यम से बैंकों को प्रेषित किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कई प्रकरणों को मंजूरी नहीं मिली है। इस पर उन्होंने ने निर्देश दिए कि लंबित ऋण प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को 31 मार्च तक लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री महोबे ने महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन के तहत आजीविका डबरी, नया तालाब, तालाब गहरीकरण, चेकडेम, रिचार्ज पिट, सेंड फिल्टर, कुंआ निर्माण, लूजबोल्डर चेक डेम, गेबियन, कंटूर ट्रेंच के साथ ही जनभागीदारी से सोखतागड्ढा जैसे कार्यों को

प्राथमिकता के साथ किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही जल संचयन से जुड़े सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध रूप से पूर्ण करने कहा। ताकि जल संरक्षण को स्थायी रूप से बढ़ावा मिल सके। उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा के कार्यों में कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की सभी पंचायतों में घर-घर कचरा उठाव एवं सेग्रीगेशन की व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू करने, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने हेतु लखपति दीदी के तहत अधिक से अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले में अवैध रेत उत्खनन पर रोक लगाने के लिए रेत माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्राम स्तर पर निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सचिव, सरपंच और कोटवार को शामिल करते हुए विशेष टीम गठित करने के निर्देश दिए है। अवैध रेत की स्थिति में तत्काल तहसीलदार एवं एसडीएम को सूचना दी जाएगी, जिसके बाद माइनिंग टास्क फोर्स, राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने जिले में प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुचारू एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अधिकारियों को समय पर कार्यालय पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक मंगलवार एवं बुधवार को सभी अधिकारियों को अनिवार्य रूप से अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित रहने को कहा है, ताकि आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

कलेक्टर ने ई-ऑफिस के माध्यम से सभी फाइलों का संचालन करने और विभागीय पत्राचार में डिजिटल माध्यम अपनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शासन की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ पात्र हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजना का लाभ दिलाने की दिशा में तेजी से कार्य करने कहा। कलेक्टर ने मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए, ताकि मत्स्य पालन तथा संबंधित शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी लोगों को मिल सके।

कलेक्टर ने शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव, पूर्ण टीकाकरण कवरेज, अधिक से अधिक नागरिकों की आभा आईडी पंजीयन, वय वंदना योजना के पात्र हितग्राहियों का शत-प्रतिशत रजिस्ट्रेशन तथा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों अंतर्गत स्वीकृत सभी निर्माण एवं विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, मुख्यमंत्री जन शिकायत, पीएमओ पोर्टल के प्रकरणों का तत्काल परीक्षण कर निराकरण करने कहा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर स्निग्धा तिवारी सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री शांति सरोवर में आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में हुए शामिल

विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज नया रायपुर स्थित शांति सरोवर में छत्तीसगढ़ विधानसभा के सम्मानित सदस्यों के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं ब्रह्मा भोजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ब्रह्माकुमारी बहनों के स्नेह, आत्मीयता और सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि बहनों के प्रेम और आदर से हम सब अभिभूत हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़े स्नेह के साथ विधानसभा के सदस्यों के लिए ब्रह्मा भोजन का आयोजन एक सुंदर और प्रेरणादायी परंपरा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता और आत्मिक शांति के प्रसार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शांति सरोवर और शांति शिखर जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में सदैव सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। संस्था का 137 से अधिक देशों में विस्तार होना अत्यंत सुखद और प्रेरक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अनेक जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में जनजागृति लाने का कार्य कर रहा है। महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने में संस्था की भूमिका उल्लेखनीय है। जनजातीय क्षेत्रों में भी संस्था द्वारा सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों से स्थानीय लोगों को व्यापक लाभ मिला है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ब्रह्माकुमारी बहनों के अतिथि बने और पवित्र ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कैबिनेट मंत्रीगण और सभी विधायकगणों ने भी ब्रह्मा भोजन का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा के सभी सदस्यों को माउंट आबू आने का आग्रह किया, जिसे मुख्यमंत्री श्री साय ने सहर्ष स्वीकार करते हुए वहां आने की सहमति दी। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, विधायक श्री धरमलाल कौशिक सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी परिवार की ओर से मृत्युंजय भाई, आत्म प्रकाश भाई, हेमलता दीदी, लता दीदी, आशा दीदी, सरिता दीदी एवं सविता दीदी सहित अन्य सदस्य कार्यक्रम में सहभागी रहे।

जगदलपुर के श्रमिक की बेटी डिंपल कश्यप अब संस्कार सिटी स्कूल में संवार रही अपना भविष्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में आई क्रांति अब सुदूर अंचलों के गरीब और श्रमिक परिवारों के आंगन तक पहुँचकर उनके बच्चों के सपनों को हकीकत में बदल रही है। शासन की अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना के माध्यम से प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा दिलाने का संकल्प अब धरातल पर जीवंत होता दिख रहा है। इसी कड़ी में बस्तर जिले के जगदलपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिलौरी के एक पंजीकृत श्रमिक नंदकिशोर कश्यप की सुपुत्री डिंपल कश्यप ने अपनी मेधा और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता का अध्याय लिख दिया है। डिंपल का चयन राज्य की प्रावीण्य सूची (मेरिट लिस्ट) के आधार पर राजनांदगांव के प्रतिष्ठित संस्कार सिटी स्कूल के लिए हुआ है, जो उनके परिवार के लिए किसी सुखद चमत्कार से कम नहीं है। यहां डिंपल कक्षा छठवीं में अध्ययन कर रही है और बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करेगी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी यह है कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल ने डिंपल की माध्यमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर

माध्यमिक स्तर तक की पूरी पढ़ाई का सारा खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली है। इस निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के प्रावधान ने परिवार के सिर से आर्थिक चिंता का बोझ पूरी तरह हटा दिया है, जिससे अब डिंपल की प्रगति की राह में कोई बाधा नहीं आएगी। अपनी बेटी की इस अभूतपूर्व सफलता पर पिता नंदकिशोर कश्यप भावुक स्वर में कहते हैं कि एक श्रमिक के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। वे दिन-रात कड़ी मेहनत ही इसलिए करते हैं ताकि उनके बच्चों का भविष्य उनके अपने संघर्षपूर्ण जीवन से कहीं बेहतर और सुगम हो सके। आज सरकार की इस कल्याणकारी योजना ने उनके उन धुंधले सपनों को हकीकत के पंख दे दिए हैं। माता-पिता के रूप में कश्यप दंपत्ति आज स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्हें अब यह अटूट विश्वास हो चला है कि उनकी बेटी का भविष्य न केवल सुरक्षित है, बल्कि वह अपनी अटूट लगन से सफलता के उस आसमान को भी छू सकेगी जिसका उन्होंने कभी केवल कल्पनाओं में विचार किया था।

ग्राम बिलौरी-2 से निकलकर एक प्रतिष्ठित स्कूल तक का डिंपल का यह सफर समाज के उस हर वर्ग के लिए प्रेरणा है, जो संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबाए बैठे हैं। शासन की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि यदि बच्चे में प्रतिभा और आगे बढ़ने की ललक हो, तो सरकार की योजनाएं एक मजबूत सेतु बनकर उन्हें सफलता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने में पूरी मदद करती हैं।

लाल आतंक का अंधेरा छंटा, नक्सलियों के सुरक्षित ठिकाने 'गोगुंडा' में पहली बार जला बल्ब

रायपुर। सुकमा की दुर्गम वादियों में करीब 650 मीटर की ऊंचाई पर बसा गोगुंडा गांव आज सिर्फ रोशनी से नहीं, बल्कि उम्मीदों से जगमगा उठा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में आजादी के 78 साल बाद, इस पहाड़ी गांव ने पहली बार बिजली के बल्ब की रोशनी देखी है। यह केवल एक तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि उन चार दशकों के काले साये की हार है, जिसने इस गांव को विकास की मुख्यधारा से काट रखा था। कल तक जो गांव सूरज ढलते ही घने जंगलों और नक्सलियों के खौफ के सन्नाटे में डूब जाता था, वहां अब बच्चों की पढ़ाई और खुशियों की गूंज सुनाई दे रही है। ढिबरी (मिट्टी के तेल का दीया) और टॉर्च के सहारे जीवन काटने वाले ग्रामीणों के चेहरे अब अंधेरा ढलने के बाद भी बल्ब की दूधिया रौशनी में चमक रहे है। बिजली ने ग्रामीणों में जीवन के प्रति उत्साह की ऊर्जा भर दी है। गांव के बुजुर्ग माड़वी सुक्का ने कांपती आवाज में कहा कि हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि अपने जीते जी गांव में बिजली देख पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

नया रायपुर में नाइजीरियन छात्रों के कथित अश्लील वीडियो से बवाल, इलाके में बढ़ा आक्रोश

रायपुर। नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित एक रिहायशी परिसर से सामने आए एक कथित आपत्तिजनक वीडियो ने स्थानीय स्तर पर विवाद की स्थिति पैदा कर दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में कुछ युवक-युवतियों को पार्किंग क्षेत्र में अशोभनीय गतिविधियों में लिप्त बताया जा रहा है, जिसके बाद आसपास के निवासियों में नाराजगी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाओं से क्षेत्र का वातावरण प्रभावित हो रहा है और सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित युवक-युवतियां विदेशी मूल के बताए जा रहे हैं, जिनमें कुछ अफ्रीकी देशों, विशेषकर नाइजीरिया से जुड़े छात्र शामिल होने की बात कही जा रही है। ये छात्र नया रायपुर के निजी शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत बताए गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब उन्हें इस तरह की गतिविधियों से रोका गया तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई और विवाद की नौबत आ गई। कुछ निवासियों ने यह भी आशंका जताई है कि इन छात्रों के संपर्क अवैध नशे के कारोबार से जुड़े लोगों से हो सकते हैं, हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से निगरानी बढ़ाने और सख्त कार्रवाई की मांग की है। पूरा मामला राखी थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस ने वायरल वीडियो और मिली शिकायतों के आधार पर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की प्रामाणिकता, स्थान और संबंधित व्यक्तियों की पहचान की पुष्टि की जा रही है। यदि जांच में कोई भी आपत्तिजनक या कानून विरुद्ध गतिविधि सामने आती है, तो नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने भी स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति, चाहे वह स्थानीय हो या विदेशी छात्र, के खिलाफआवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल इलाके में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है और लोग जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

रायपुर के श्मशान घाट से शव का सिर गायब, अस्थि-संग्रह के दौरान खुला रहस्य, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। कबीर नगर थाना क्षेत्र के जरवाय श्मशान घाट में अंतिम संस्कार के बाद अस्थि-संग्रह के लिए पहुंचे परिजनों को चिता स्थल पर शव का सिर नहीं मिला। इस घटना के बाद परिजनों में आक्रोश और भय का माहौल है, वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जरवाय निवासी शेखर यादव का हाल ही में विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। परंपरा के अनुसार अगले दिन परिजन अस्थियां एकत्र करने श्मशान घाट पहुंचे, लेकिन वहां का दृश्य देखकर सभी हैरान रह गए। परिजनों का कहना है कि चिता स्थल पर शव का सिर गायब था, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया। घटना को लेकर परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी ने शरारत या किसी तरह की संदिग्ध गतिविधि को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि चिता के आसपास नींबू, सिंदूर और अन्य सामग्री बिखरी हुई थी, जिन्हें आमतौर पर तांत्रिक क्रियाओं से जोड़ा जाता है। इस वजह से मामले को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इसी बीच श्मशान परिसर में एक लावारिस बाइक भी खड़ी मिली, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार बाइक किसकी है और कब से वहां खड़ी है, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। सूचना मिलते ही कबीर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और श्मशान घाट के कर्मचारियों व आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना से जुड़े सुराग मिल सकें। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। फिलहाल, इस रहस्यमयी घटना ने शहर में चर्चा और दहशत का माहौल बना दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

आतंक का साया हटता है तो विकास का उजाला स्वत : फैलता है-राज्यपाल

जब किसान मजबूत और समृद्ध होंगे। इसलिए सरकार उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने, फसल का उचित मूल्य दिलाने और बाजार तक उनकी आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए निरंतर काम कर रही है। इस वर्ष 25 लाख 24 हजार किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया और 33 हजार 431 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। सरकार ने 'कृषक उन्नति योजना' के तहत होली से पहले किसानों को 10 हजार 292 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्णय लिया है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार भी किसान हितैषी सरकार है। छत्तीसगढ़ के 24 लाख 72 हजार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। सरकार के कल्याणकारी दायरे में भूमिहीन कृषक मजदूर भी शामिल हैं। राज्य के 5 लाख से अधिक भूमिहीन कृषि मजदूरों को 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' के तहत सालाना 10 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। सरकार गुणवत्तापूर्ण बीज किसानों को उपलब्ध कराने की दिशा में पुख्ता काम कर रही है। बीज उत्पादन में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति एवं महिला वर्ग के किसानों को प्रमाणीकरण शुल्क में शतप्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। दो साल में 21 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किये गये हैं।राज्यपाल ने कहा कि हमारे किसान भाइयों द्वारा उपजाया खाद्यान्न निर्यात के माध्यम से विदेशों तक अधिकाधिक पहुंचाया जाए, इसके लिए मेरी सरकार ऐसी तकनीकों पर काम कर रही है जिससे खाद्यान्नों की शेल्फ लाइफ बढ़ाई जा सके। इसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की सहायता से 06 करोड़ रुपए की लागत से सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। दुनिया भर में खेती-किसानी की तकनीक बदल रही है। कृषि शोध में लगे अध्यापकों और छात्रों को सरकार द्वारा निरंतर एक्सपोजर विजिट भी कराया जा रहा है। प्रदेश में दलहन और तिलहन की फसलों को बढ़ावा देने मेरी सरकार प्रतिबद्ध है। 'दलहन बीज उत्पादन प्रोत्साहन योजना' में प्रति क्विंटल दिए जाने वाले 1000 रूपए के अनुदान को अब बढ़ाकर 5 हजार रुपए कर दिया गया है। 'अक्की बीज संवर्धन योजना' के तहत तिलहनी फसलों के उत्पादन एवं वितरण पर अनुदान राशि 1000 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 1500 रुपए प्रति क्विंटल कर दी गई है। फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने धान के बदले अन्य खरीफ फसल लेने वाले कृषकों को भी प्रति एकड़ 11 हजार रुपए आदान सहायता राशि देने का निर्णय लिया गया है।राज्यपाल ने कहा कि खेती-किसानी से जुड़ी अर्थव्यवस्था का विस्तार पशुपालन को बढ़ावा दिए बिना संभव नहीं है। सरकार ने इस क्षेत्र में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एमओयू किया है। सहकारिता की ताकत सबसे बड़ी ताकत है। इस ताकत से लोगों को जोड़ते हुए 'सहकार से समृद्धि योजना' के तहत 488 नवीन डेयरी समितियों का गठन किया गया है। दुग्ध उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से महासंघ द्वारा दूध का क्रय मूल्य 35 रुपए से बढ़ाकर 36 रुपए 50 पैसे प्रति लीटर कर दिया गया है। मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी बड़ी संभावनाएं हैं। कांकेर जिला देश भर में इस क्षेत्र में मॉडल जिला बना है। यह केंद्र सरकार द्वारा बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट के रूप में चुना भी गया है। निजी क्षेत्र में 7580 हेक्टेयर में मत्स्यपालन का काम हो रहा है।राज्यपाल ने कहा कि माताएं-बहनें कुशल बजट प्रबंधक होती हैं। 'महतारी वंदन योजना' के माध्यम से हर महीने एक-एक हजार रुपए की राशि हम प्रदेश की लगभग 69 लाख महिलाओं के खाते में जमा कर रहे हैं। सरकार ने लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में 24 किश्तों में 15 हजार 596 करोड़ रूपए जमा किए हैं। तेंदूपत्ता संग्रहण मूल्य 4 हजार रुपए से बढ़ाकर साढ़े 5 हजार रुपए कर दिया गया है। संग्राहकों को चरण पादुका भी वितरित की जा रही है। वन धन केंद्रों के माध्यम से संग्राहकों को वनोपज का उचित दाम दिया जा रहा है।राज्यपाल ने कहा कि हमारे प्रदेश की 31 फीसदी आबादी जनजातीय है। सरकार जनजातीय उत्थान के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है। आदिम जाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति अब ऑनलाइन पोर्टल से दी जा रही है। वर्ष 2025-26 से नई व्यवस्था लागू कर समय पर भुगतान सुनिश्चित किया गया है। इसी तरह एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जनजातीय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुडा को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान और 1 करोड़ रुपये का पुरस्कार मिला, जो प्रदेश के लिए गौरव की बात है। ओडिशा के सुंदरगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025 में छत्तीसगढ़ ने देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने कुल 162 पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की संकल्पना को पूरा करने जनजातीय विकास की दिशा में मेरी सरकार तत्परता से कार्य कर रही है। 'पीएम जनमन योजना' तथा 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत तेजी से कार्य हो रहे हैं। 'आदि कर्मयोगी अभियान' से डेढ़ लाख आदिकर्मयोगी तैयार किये गये हैं। ये ग्रामीण क्षेत्रों में विकास का नेतृत्व करेंगे। 'प्रधानमंत्री जनमन योजना' एवं आदि कर्मयोगी अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा छत्तीसगढ़ को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में सम्मानित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि शहीद वीरनारायण सिंह और जनजातीय शहीदों की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए सरकार ने देश का पहला डिजिटल संग्रहालय, शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय नवा रायपुर में स्थापित किया है। इसका लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ। मेरी सरकार द्वारा नवा रायपुर में ट्राइबल एवं कल्चरल कन्वेंशन सेंटर भी बनाया जा रहा है। इसके माध्यम से हमारी जनजातीय संस्कृति को सहेजने में विशेष मदद मिलेगी। प्रदेश की सुंदर जनजातीय संस्कृति को सहेजने सरकार प्रतिबद्ध है। लगातार दूसरे साल भी बस्तर पंडुम का सफल आयोजन किया गया है। इस साल बस्तर पंडुम में विधाओं की संख्या 7 से बढ़ाकर 12 कर दी गई। पिछले साल बस्तर पंडुम में जहां 47 हजार कलाकारों ने पंजीयन कराया, वहीं इस साल यह संख्या बढ़कर 54 हजार 745 हो गई।

बस्तर पंडुम के शुभारंभ के मौके पर राष्ट्रपति का आगमन हुआ। उन्होंने बस्तर की संस्कृति को सहेजने के लिए की गई इस सुंदर पहल की सराहना की। बस्तर पंडुम के समापन समारोह में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। राज्यपाल ने कहा कि हम अपनी युवा शक्ति को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा अवसर मानते हैं। बेहतर शिक्षा व्यवस्था के निर्माण हेतु मेरी सरकार लगातार प्रयास कर रही हैं। नवा रायपुर को एजुकेशन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देशभर की प्रतिष्ठित संस्थाएं स्थापित हो रही हैं, जिससे युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए राज्य के बाहर नहीं जाना पड़ेगा। मेरी सरकार ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के लिए अधिकतम आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट प्रदान की है, साथ ही विभिन्न विभागों में करीब 32 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया की जा रही है। छत्तीसगढ़ का हस्तशिल्प देश भर में प्रसिद्ध रहा है। चांपा की कोसा की साड़ियों की धूम तो विदेशों में भी है। मेरी सरकार ने नवा रायपुर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की स्थापना का निर्णय लिया है। यह संस्थान प्रदेश के प्रतिभाशाली डिजाइनरों के सपनों को पंख प्रदान करेगा। इसी तरह नवा रायपुर में साइंस सिटी स्थापित की जा रही है। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर और मायापुर में जहां कर्क रेखा गुजरती है, वहां एस्ट्रो पार्क बनाया जा रहा है। स्कूली बच्चों को अंतरिक्ष से जुड़े प्रयोगों की सुविधा देने के लिए बस्तर और सरगुजा में नेशनल काउंसिल ऑफ सांइस म्यूजियम कोलकाता के सहयोग से मोबाइल साइंस लैब की स्थापना की जा रही है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री का फोकस टीयर-2 और टीयर-3 सिटी पर है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर

निविदा सूचना

क्रमांक 143/नपानि/जोन-4/लो.क.वि./ 2026 रायपुर दिनांक 20.02.2026

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति (प्रथम में अमानती राशि, अन्य कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र) में सील बंद निविदाएं स्पीड पोस्ट से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

1 आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	06.03.2026 को सायं 5.30 बजे तक
2 निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि	09.03.2026 को सायं 5.30 बजे तक
3 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	16.03.2026 को सायं 4.00 बजे तक
4 निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि	16.03.2026 को सायं 4.30 बजे से

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	अवधि	निविदा प्रपत्र	एस.ओ.आर/ नॉन एस.. ओ.आर.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड क 45 में मल्टीलेवल पार्किंग के पास नाली निर्माण कार्य। (सामान्य मद)	9.24	10000.00	750.00	"डी" श्रेणी एवं उसरो उपर	3 माह	प्रपत्र "अ"	छ.ग. पी.डब्ल्यु.डी. भवन/रोड एस. ओ.आर. दिनांक 01/01/2015

नोट- 1. निविदा से संबंधित दस्तावेज/छ.ग. पीडब्ल्यूडी का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र/ जीएसटी पंजीयन प्रमाण पत्र/पेन कार्ड/विगत 03 साल का इनकम टैक्स रिटर्न (नवीन 00 लाख से अधिक के कार्यों के लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक का जीएसटी रिटर्न राशि रू. १०० जायेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफ.डी.आर. के रूप में) पंजीकृत ठेकेदार / फर्म के लिये यह लागू नहीं होगा) / विगत 03 माह का जीएसटी रिटर्न /राशि रू. 100/- का शपथ पत्र (निविदा जारी होने के बाद का नोटराईजड) राशि 2 आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।) (लिफाफा निविदा जारीकर्ता अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जाये) निर्धारित अवधि में यदि किसी दिन अवकाश होता है, तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्य दिवस पर सम्पन्न की जावेगी।

2. निविदा से संबंधित नियम एवं अन्य शर्ते जोन क्रमांक 04 कार्यालय में कार्यालयीन अवधि में देखी जा सकती है।
3. उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट nagar nigam raipur.nic.in में देखी जा सकती है।
4. निविदा अंतर्गत (3rd Party Inspection) की राशि का भुगतान ठेकेदार द्वारा किया जायेगा जो कि कुल स्वीकृत राशि के 0.60 प्रतिशत एवं जीएसटी अतिरिक्त होगा।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक 4
नगर पालिक निगम, रायपुर

संपादकीय

भारत पर दोहरी मार

डील के मुताबिक अमेरिका से आयातित कपास से जो वस्त्र बांग्लादेश में बनेगा, उस पर अमेरिका में शून्य आयात शुल्क लगेगा। इस तरह बांग्लादेश के उत्पादक अब भारतीय कपास के बजाय अमेरिकी कपास खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। भारत में सरकार समर्थक लोग अभी ये जश्न मना ही रहे हैं कि ट्रेड डील के बाद भारत के वस्त्र जैसे श्रम-केंद्रित उद्योगों के उत्पादों को अमेरिकी बाजार में अनुकूल स्थितियां मिलेंगी, डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने बांग्लादेश को भारत के बड़े प्रतिस्पर्धी के रूप में खड़ा कर दिया है। अमेरिका से हुए ट्रेड डील के बाद बांग्लेदश के उत्पादों पर अब अमेरिका में 37 के बजाय 19 फीसदी टैरिफ ही लगेगा। वैसे टैरिफ के मामले में भारतीय उत्पादों को फिर भी एक फीसदी का लाभ है, लेकिन भारत को असल नुकसान डील के एक दूसरे प्रावधान से होगा। उसके मुताबिक अमेरिका से आयातित कपास से जो वस्त्र बांग्लादेश में बनेगा, उस पर शून्य आयात शुल्क लगेगा। इस तरह बांग्लादेश के उत्पादक अब भारतीय कपास के बजाय अमेरिकी कपास खरीदने के लिए प्रेरित होंगे। इससे भारतीय कपास उत्पादकों का एक अहम बाजार छिन जाएगा। कुल मिलाकर डील में ऐसे प्रावधान हैं, जिससे बांग्लादेशी उत्पादक 70 फीसदी तक अमेरिकी इनपुट का इस्तेमाल कर सकेंगे। यानी डील से दोनों पक्षों को लाभ होगा। बांग्लादेश से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 95 फीसदी हिस्सा कपड़े का रहा है। अत: ये डील बांग्लादेश के लिए संजीवनी बन कर आया है। भारत से टैरिफ में जो एक फीसदी अंतर है, उसे अमेरिकी आयातक और बांग्लादेशी उत्पादक आसानी से आपस में एडजस्ट कर सकेंगे। इस तरह अमेरिकी बाजार में भारतीय वस्त्र उत्पादकों के लिए बांग्लादेश मजबूत प्रतिस्पर्धी बन जाएगा। बांग्लादेश ने अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन, मक्का, मोटर पाट-पुर्जे, मेडिकल उपकरण और विमान खरीदने का वादा भी किया है। लेकिन डील में भारत जैसी पांच साल में 500 बिलियन डॉलर की खरीदारी की कोई शर्त शामिल नहीं की गई है। तो बांग्लादेश कितनी खरीदारी करेगा, यह उसकी जरूरतों से तय होगा। यानी बांग्लादेश भारत की तुलना में अमेरिका से अपने लिए अधिक अनुकूल व्यापार समझौता करने में सफल रहा है। दूसरी तरफ इस डील का सर्वाधिक दुष्प्रभाव संभवत: भारत पर ही पड़ेगा, क्योंकि अब तक बांग्लादेश भारत के गेहूं, सोयाबीन, मक्का, मोटर पाट-पुर्जे, और मेडिकल उपकरण का भी बड़ा खरीदार रहा है। स्पष्टत: ये डील भारत पर दोहरी मार है।

गलती के बाद गलती कर रहे हैं राहुल गांधी

सुनील दास

लोकतंत्र में कई मामलो में सही उसे ही माना जाता है जिसे बहुमत सही कहता है और गलत उसी माना जाता है जिसे बहुमत गलत कहता है। लोकतंत्र में सही और गलत की एक ही कसौटी होती है वह है बहुमत। इसलिए लोकतंत्र में जिनका यकीन होता है वह सही और गलत की इसी कसौटी का अंतिम कसौटी मानते हैं। बहुमत ने कह दिया कि यह गलत है तो वह लोकतंत्र में गलत ही माना जाएगा। कांग्रेस ने एआई ग्लोबल समिट में अपने युवा कांग्रेस के नेताओं को अर्धनग्न प्रदर्शन के लिए भेजकर ऐसा काम किया है जिसे कोई सही नही मान रहा है, विपक्षी गठबंधन के नेता भी उसे गलत मान रहे हैं। देश की जनता भी उसे गलत मान रही है, उसे गलत कह रही है। गुस्से में दिल्ली के भारत मंडपम में प्रदर्शन करने आए युका नेताओं की पिटाई भी की। राहुल गांधी की कांग्रेस उसे सही ठहरा रही है क्योंकि गलती तो हो चुकी है और इसके लिए राहुल गांधी को दोषी माना जा रहा है। क्योंकि राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बड़े नेता हैं, कांग्रेस में उनकी मर्जी के बिना पत्ता नहीं हिलता है तो इतना गंदा व शर्मनाक प्रदर्शन उनकी मर्जी के बिना हो नहीं सकता।सीधा मतलब है कि यह काम योजना बनाकर किया गया है तो इसकी अनुमति राहुल गांधी से ली गई होगी और राहुल गांधी की अनुमति के बाद यह शर्मनाक काम किया गया है। देश की छबि को वैश्विक स्तर पर धूमिल करने का प्रयास किया गया। पूरा देश जानता है कि राहुल गांधी देश को बरसों से विदेश में बदनाम करते रहे हैं,वह कहते रहे हैं कि देश में लोकतंत्र नहीं हैं, देश में संविधान खतरे में है।देश का चुनाव आयोग ने मोदी सरकार के इशारे पर काम करता है। सुप्रीम कोर्ट स्वतंत्र नहीं रह गया है, मीडिया मोदी के इशारे पर खबरें चलाता है. पत्रकार भाजपाई हो गए हैं।इस बार भी उनकी अनुमति से ही युवक कांग्रेस नेताओं ने देश की छबि दुनिया में खराब करने का प्रयास किया है। कोई भी राजनीतिक दल कोई काम जब सोच विचार कर करता है तो वह यही सोचकर करता है कि इससे उसको राजनीतिक रूप से लाभ होगा। एआई ग्लोबल समिट मे शर्मनाक प्रदर्शन करने का फैसला भी बहुत सोचसमझ कर लिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि इससे कांग्रेस को क्या राजनीतिक फायदा हुआ है या हो सकता है। कांग्रेस के इस शर्मनाक प्रदर्शन पर सारे राजनीतिक दलो,देश की जनता की तरफ से जो प्रतिक्रिया आई है, उससे तो ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने तो बहुत बड़ी राजनीतिक गलती कर दी और इस गलती की वजह से वह पूरे देश में अकेली हो गई है कोई राजनीतिक दल उसके साथ खड़े होने को तैयार नहीं है। क्योंकि आने वाले समय में कुछ राज्यों मे चुनाव है,ऐसे में कांग्रेस के साथ खड़े होने का मतलब है कि कांग्रेस की गलती को सही मानना है।जो भी युवा कांग्रेस के शर्मनाक गलती को सही मानेगा उसे चुनाव में राजनीतिक नुकसान होगा। इसलिए कोई राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ खड़े न होकर उसकी गलती की गलती बता रहा है और खुद को कांग्रेस से अलग बता रहा है। वह देश को बता रहा है कि कांग्रेस की जैसी सोच है,हमारी सोच वैसी नहीं है। एआई ग्लोबल समिट कुछ कमियों के बाद भी एक ऐतिहासिक आयोजन साबित हुआ है। दुनिया के तमाम बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्ष, पीएम, बड़ी एआई कंपनियों को सीईओ आए थे और सबने भारत की एआई के लिए की गई पहल का स्वागत किया और एआई के क्षेत्र में भारत पर भरोसा कर 25 लाख करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की है, यह बहुत बडी बात है।

तकनीक के जरिए मातृभाषाओं को बचाने की जरूरत

उमेश चतुर्वेदी

तकनीकी दौर में मातृभाषाएं सबसे ज्यादा संकट में हैं। इसकी वजह यह है कि मातृभाषाओं को बोलना भी तकनीक से प्रभावित हो रहा है और लेखन तो पूरी तरह उसी पर निर्भर हो गया है। तकनीक की खासियत कहें या कमी, वह बाजार के लिहाज से खुद को विकसित करती है और अपने उत्पादों के लिए इसी नजरिए से शोध करती है। चूंकि मातृभाषाओं में कई ऐसी हैं, जिन्हें बोलने या जिनका इस्तेमाल करने वालों की संख्या बेहद कम है, इसलिए उनसे कमाई की संभावना कम है। चूंकि तकनीकी विकास में काफी धन लगता है, और मातृभाषाओं के एक हिस्से से कमाई की गुंजाइश नहीं दिखती, इसलिए तकनीक उनके सहज इस्तेमाल में दिलचस्पी नहीं दिखाती। इसलिए मातृभाषाओं की बड़ी संख्या लुप्त होने के कगार पर हैं। भारत को ही देखिए। साल 1961 की जनगणना के आंकड़ों के लिहाज से भारत में 1652 भाषाएं थीं। लेकिन सिर्फ दस साल बाद यानी 1971 में यह संख्या घटकर महज 808 रह गई। ऐसा बदलाव तब हुआ, जब तकनीक का बोलबाला नहीं था। लेकिन अब बात उससे भी आगे बढ़ चुकी है। 2013 के भारतीय लोकभाषा सर्वेक्षण के अनुसार, विगत 50 वर्षों में 220 भाषाएँ जहां लुप्त हो गई हैं, वहीं 197 भाषाएँ खत्म होने की कगार पर हैं।

मातृभाषाओं के लुप्त होने की कई अन्य वजहें भी हैं। भाषाशास्त्रियों के मुताबिक, व्यक्तिवादी दर्शन, उपभोक्तावाद, सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों में आ रहे बदलाव, और शहरीकरण के साथ ही पारंपरिक मूल्यों के प्रति घटती निष्ठा और रोजगार के साधनों के रूप में भाषाओं की घटती संख्या भी मातृभाषाओं के खात्मे की वजह बना है। इसके बावजूद कुछ अपवादों को छोड़ दें तो मातृभाषाओं को लेकर कुछ इलाकों में सम्मोहन बरकरार है। शायद यही वजह है कि इस बार के अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के लिए यूनेस्को ने जो थीम रखा है, वह बेहद अहम जान पड़ता है। यह थीम है, 'भाषाओं का महत्व: रजत जयंती और सतत विकास'। इस थीम का ध्येय वाक्य 'अनेक भाषाएँ, एक भविष्य' है। पूर्वी बंगाल में 1952 में शहीद हुए भाषा आंदोलनकारियों की याद में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की शुरूआत की पिछले साल यानी 2025 में रजत जयंती थी। तब यूनेस्को ने इस दिवस को भाषाई विविधता, डिजिटल सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा के माध्यम से सतत विकास पर जोर देने पर केंद्रित किया था।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर हर साल यूनेस्को किसी न किसी अहम विषय को ध्येय बनाता है और उस नजरिए से पूरे साल भाषाई विविधता को विकसित करने और उन्हें लागू करने पर जोर देता है। इस बार के ध्येय वाक्य से साफ है कि यूनेस्को चाहता है कि विश्व के सतत विकास में मातृभाषाओं की महत्ता को रेखांकित किया जाए। मातृभाषाएं एक तरह से भाषायी लोकतंत्र को रचती हैं। इस लोकतंत्र को बचाए बिना विविधरंगी संसार को नहीं बचाया जा सकता। सोचिए, अगर उपभोक्तावाद, व्यक्तिवाद और तकनीकी वर्चस्व की वजह से एक रस और एक भाषायी संसार तैयार हो जाए तो दुनिया कितनी नीरस होगी, ज्ञान के तमाम स्रोत तब या तो सूख चुके होंगे या फिर भुला दिए गए होंगे। इसलिए मातृभाषाओं को बचाना और उन्हें सांस्कृतिक लोकतंत्र के प्रतीक के रूप में जिंदा रखना जरूरी हो जाता है।

यूनेस्को की ओर से घोषित 'भाषाओं का महत्व ङ्क रजत जयंती और सतत विकास' विषय, एक तरह से भाषायी विविधता, बहुभाषावाद और सतत विकास के बीच गहरे संबंधों को ही रेखांकित करता है। चूंकि यूनेस्को ने मातृभाषाओं को संरक्षित करने, भाषायी विविधता को जिंदा रखने और उन पर रश्क करने के साथ ही शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए प्रयासरत है, इसलिए वह लगातार भाषाओं को बचाने का संदेश दे रहा है। दुनिया में इन संदेशों को सुना और समझा भी जा रहा है। चूंकि भाषाएँ सिर्फ संवाद का साधन ही नहीं होतीं, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने का अहम औजार भी हैं, लिहाजा प्राथमिक शिक्षा में उन पर जोर दिया जा रहा है। 2020 में आई भारत की नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषाओं में शिक्षा-विशेषकर प्राथमिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। दुनियाभर के शिक्षाशास्त्री मानते हैं कि मातृभाषा आधारित शिक्षा समावेशी होती है और बच्चों की समझ को बेहतर बनाने में मददगार होती है। इतना ही नहीं, इसके चलते बच्चे की सीखने की प्रक्रिया भी तेज होती है। मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के भी नतीजे बेहतर होते हैं। चूंकि सतत विकास में शिक्षा का स्थान अहम है और मातृभाषा आधारित शिक्षा बेहतरीन होती है, यही वजह है कि सतत विकास के लक्ष्यों को अब मातृभाषा के जरिए मिलने वाली शिक्षा में गंभीरता से खोजा जा रहा है। इसीलिए दुनिया एक बार फिर मातृभाषाओं के जरिए शिक्षा की ओर उन्मुख होती दिख रही है। जैसे-जैसे अधिकाधिक भाषाएँ विलुप्त होती जा रही हैं, भाषायी विविधता खतरे में पड़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, विश्व की 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल रहा है, जिन्हें वे बोलते या समझते हैं। मातृभाषाओं का संरक्षण इसलिए भी जरूरी है कि स्थानीय समाज उनके जरिए शिक्षा हासिल कर सकें। मातृभाषा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, सांस्कृतिक पहचान और बौद्धिक नींव की आधारशिला है। यह सोचने, समझने और संवाद करने का सबसे सहज माध्यम है, जो बच्चे को उसकी विरासत से जोड़ती है। मातृभाषा में शिक्षा से आत्मविश्वास बढ़ता है, संज्ञानात्मक कौशल विकसित होते हैं, और दूसरी भाषाएं सीखना आसान हो जाता है। मातृभाषा में शिक्षा से बच्चे की अवधारणाओं को समझने की क्षमता तेज होती है और रचनात्मकता बढ़ती है। मातृभाषा संस्कृति, परंपराओं और इतिहास को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का मुख्य माध्यम है। व्यक्ति अपने विचारों, भावनाओं और संवेदनाओं को मातृभाषा में सबसे अच्छी तरह व्यक्त कर सकता है, जिससे मानसिक स्पष्टता आती है।

शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार, जिन बच्चों की नींव मातृभाषा में मजबूत होती है, मातृभाषाओं से इतर भाषाओं में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। मातृभाषाएं परिवार और समुदाय से एक मजबूत भावनात्मक संबंधों की गारंटी भी होती हैं।

दुनिया की हर मातृभाषा अपनी संस्कृति, परंपरा और इतिहास की संवाहक है। इसी वजह से दुनियाभर के मानवशास्त्री मानते हैं कि सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भाषायी विविधता का संरक्षण जरूरी है। इतना ही नहीं, मातृभाषाएँ आपसी समझ, सम्मान और सहयोग को भी बढ़ावा देती हैं, इस लिहाज से वे समावेशी समाज के निर्माण में भी सहायक मानी जाती हैं। मानवशास्त्रियों के अनुसार, स्थानीय भाषाएँ ज्ञान का खजाना हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाना आवश्यक है। इसीलिए यूनेस्को का मानना है कि सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भाषायी विविधता और बहुभाषावाद का उपयोग सहयोगी हो सकता है। इससे विश्व स्तर पर समावेशी विकास को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए जरूरी है कि मातृभाषाओं को तकनीक के लिहाज से विकसित किया जाए। यह कार्य सार्वजनिक संस्थान और सरकारें ही कर सकती हैं।

यूजीसी का नियम सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला

अजीत द्विवेदी

राजनीति में कुछ भी अनायास या अनियोजित नहीं होता है और अगर आपको लगे कि कुछ अनायास हो रहा है या अनप्लांड हो रहा है तो समझना चाहिए कि उसे उसी तरह से प्लान किया गया है। यानी उसकी योजना ऐसी बनी है कि वह अनप्लांड लगे। यह बात अमेरिका के एक राष्ट्रपति ने कही थी। पूरी दुनिया की राजनीति पर यह बात समान रूप से लागू होती है। तभी प्रयागराज में शंकराचार्य को लेकर जो कुछ हो रहा है और उसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी का जो नया नियम लाया गया हैं उसे अनायास हुए नहीं मानना चाहिए। सरकार ने किसी योजना के तहत यूजीसी के नए नियम लागू किए हैं। उसने सामान्य वर्ग को अलग थलग करने और उसे उत्पीड़क साबित करने का जो नियम बनाया है वह संयोग नहीं है, बल्कि किसी प्रयोग का हिस्सा है।

इस समय पूरे देश में यूजीसी की ओर से लाए गए समानता के नए नियम पर विवाद हो रहा है। यूजीपी ने प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीच्यूट रेगुलेशन 2026 के नाम से नए नियम जारी किए हैं। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव खत्म करना बताया गया है। इस तरह का एक नियम 2012 में बना था, जो पहले से उपलब्ध था। उसमें कुछ बदलाव करके उसे नए रूप में प्रस्तुत किया गया है। 2012 के नियम में सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी और एसटी को उत्पीड़न से बचाने का प्रावधान किया गया था। अब उसमें अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही महिलाएं और दिव्यांगजनों को भी शामिल किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों में हर वर्ग के छात्र शामिल होंगे।

इसका मतलब है कि सामान्य वर्ग के एक छोटे से समूह को पहले से ही अत्याचारी या उत्पीड़क मान कर बाकी लोगों को उससे बचाने का प्रावधान किया गया है। 2012 के कानून में भेदभाव या उत्पीड़न की फर्जी शिकायत करने पर कार्रवाई का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है। यानी एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग अगर चाहें तो किसी भी सामान्य वर्ग के छात्र के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और शिकायत गलत पाए जाने पर उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकती है। हर संस्थान में इक्विटी कमेटी और इक्विटी स्क्वॉयड बनाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बदलाव करके यह नियम बनाया गया है कि इसमें सामान्य वर्ग के किसी व्यक्ति को रखना अनिवार्य नहीं होगा। सोचें, क्या इससे भी ज्यादा भेदभाव या असमानता की कोई व्यवस्था हो सकती है? इसमें एक समूह को पहले से अपराधी मान कर उसे सजा के योग्य ठहरा दिया गया है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला नियम है, जो कानून विरूद्ध है और संविधान विरूद्ध है। यह प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांत के भी विरूद्ध है। भारत सरकार ने जब अंग्रेजों के जमाने की भारतीय दंड संहिता समाप्त की और उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता लागू की तो कहा कि अंग्रेजों ने दंड का प्रावधान किया था लेकिन अब सरकार न्याय की व्यवस्था ले आई है। क्या यही न्याय की व्यवस्था है कि आप एक समूह को पहले से अपराधी मान लेंगे? सवाल है कि आरोप लगाए जाने और दोष सिद्ध होने से पहले किसी को अपराधी कैसे माना जा सकता है? भारत में न्याय की व्यवस्था महर्षि याज्ञवल्क्य के समय बनी, जिसमें वाचस्पति ने नव्य न्याय की धारणा जोड़ी। इसके मुताबिक दोष सिद्धि से पहले किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता है। संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 कानून के समक्ष सबकी समानता और धर्म, जाति, नस्ल, लिंग, क्षेत्र आदि के आधार पर किसी किस्म के भेदभाव को निरस्त करता है। लेकिन यहां भारत सरकार ने जाति के आधार पर एक समूह को पहले ही अपराधी मान लिया है। किसी सभ्य समाज में ऐसी व्यवस्था की कल्पना भी कैसे की जा सकती है? इसी तरह का एक बिल मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार भी ले आई थी। कम्युनल वायलेंस बिल की मूल अवधारणा हिंदू को दंगाई मानने की थी। ऐसा कानून बन रहा था, जिसके मुताबिक कही भी दंगा होगा तो हिंदू को दोषी माना जाएगा। ठीक उसी तरह का नियम सरकार ले आई है, जिसके मुताबिक किसी भी शिक्षण संस्थान में अगर भेदभाव होता है या उत्पीड़न की घटना होती है तो सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक को उसका दोषी माना जाएगा।

छत्तीसगढ़ मे आदिवासी नेतृत्व गढ़ रहा है विकास के नए सोपान

छगन लाल लोन्हारे

छत्तीसगढ़ की खूबसूरत वादियों में स्थित जशपुर जिला के ग्राम बगिया में 21 फरवरी को जन्म लेने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सज्जनता और सहृदयता की एक मिसाल है। दो वर्ष के अपने मुख्यमंत्रित्व काल में छत्तीसगढ़ राज्य में विकास का एक नया आयाम गढ़ने वाले तथा प्रदेश के नागरिकों के दिलों में राज करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अपनी लोकप्रियता के शिखर पर विद्यमान है। विष्णुदेव साय जनता के बीच के एक ऐसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं जिनकी सदाशयता और दूरगामी योजनाओं से प्रदेश में विकास और प्रगति का राह आसान हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी पृष्ठभूमि से आते हैं।

केबिनेट बैठक में राज्य में समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले किसानों को 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से अंतर की राशि होली पर्व से पहले एकमुश्त भुगतान किए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25 लाख 24 हजार 339 किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा

कृषक उन्नति योजना के तहत धान के मूल्य के अंतर की राशि के रूप में लगभग 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होली त्यौहार से पहले एकमुश्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री स्वयं एक किसान पुत्र हैं वे किसानों की पीड़ा को भलीभांति जानते हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से की की गई है, जो देश में सर्वाधिक है। बीते दो वर्षों में कृषक उन्नति योजना के तहत राज्य के किसानों को धान के मूल्य के अंतर के रूप में 25 हजार करोड़ रूपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। इस साल होली से पूर्व किसानों को 10 हजार करोड़ रूपए का भुगतान होने से यह राशि बढ़कर 35 हजार करोड़ रूपए हो जाएगी। किसान हितैशी सरकार के इस निर्णय से बाजार भी गुलजार होंगे, जिससे शहरी अर्थव्यवस्था पर सीधा असर दिखाई देगा, ट्रैक्टर आदि की बिक्री में वृद्धि होगी।

प्रदेश की नवीन औद्योगिक नीति से राज्य में अब तक 7 लाख 83 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अपने दो साल के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ को पूरे देश में एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की जनता के बीच जाकर जनता का न केवल विश्वास जीता है बल्कि उनके हित को ध्यान में रखकर उन्होंने ऐसी योजनाओं का क्रियान्वयन किया है जिससे छत्तीसगढ़ का समग्र विकास सम्भव हो पाया है। यह केवल और केवल विष्णुदेव साय जैसे एक संवेदनशील, कर्मठ तथा ऊर्जावान मुख्यमंत्री ही सम्भव कर सकते हैं।

विष्णु देव की सुशासन में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष घोषित किया गया है। राज्य सरकार ने मातृशक्ति का सम्मान करते हुए 70 लाख महिलाओं को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रूपए की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। प्रदेश के 42 हजार 878 महिला स्व- सहायता समूहों को आसान ऋण से अब तक 129.46 करोड़ रूपए का लाभ दिया गया है। प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के अंतर्गत 4.81 लाख महिलाओं को 237 करोड़ रूपए की सहायता राशि दी गई है। राज्य की 19 लाख से अधिक महिलाओं को पूरक पोषण आहार सुनिश्चित की गई है। महिला सुरक्षा के लिए सखी वन स्टॉप सेंटर और महिला हेल्पलाइन 181 की स्थापना की गई है। महिलाओं को रोजगार मूलक कार्यों के जरिए स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंचायत स्तर पर 52.20 करोड़ की लागत से 179 महतारी सदनों का निर्माण कराया जा रहा है। महिला समूहों के उत्पादों की बिक्री हेतु 200 करोड़ की लागत से नवा रायपुर में यूनिटी मॉल का निर्माण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री की पहल पर दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत प्रदेश के 5.62 लाख भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

राज्य सरकार द्वारा आवास और सामाजिक सुरक्षा को ध्यान में रख कर अब तक 26 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति किए गए हैं। स्वच्छ पेयजल सबका अधिकार है। प्रदेश के 41 लाख से अधिक घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति के लिए राज्य में 77 जल परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई है। 70 समूह जल प्रदाय योजनाओं से प्रदेश के 3208 गांव लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा राज्य के शत-प्रतिशत गांवों का विद्युतीकरण किया जा रहा है।

डबल इंजन की सरकार में रावघाट-जगदलपुर रेल परियोजना के साथ रेल नेटवर्क मैप से बस्तर जुड़ रहा है। जगदलपुर-विशाखापट्नम और रायपुर-विशाखापट्नम नई सड़क परियोजनाओं से विकास की नई राहें खुल रही है। प्रदेश के 32 नगरीय निकायों में नॉलेज बेस्ड सोसाइटी हेतु लाइट हाउस निर्माण की पहल की जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश के हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर चलने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने प्रदेश के हर वर्ग की बुनियादी सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पीएम आवास योजना, कृषक उन्नति योजना, नियद नेल्ला नार, अखरा निर्माण योजना जैसी योजनाओं का शुभारम्भ किया है और जनता के बीच अपनी एक अलग छवि निर्मित की है।

मुख्यमंत्री साय जनता के बीच और हर समुदाय के बीच एक ऐसा पुल बनाना जानते हैं जिससे सभी एक दूसरे से जुड़ सके और सभी प्रदेश के हित में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह भी कर सके। उन्होंने अपने जीवन का बहुमूल्य समय पद्रेश की जनता को समर्पित कर यह सिद्ध कर दिया है कि उनका जीवन केवल उनका नहीं है अपितु प्रदेश की जनता की नि: स्वार्थ सेवा के लिए समर्पित है। वे सही मायने में एक ऐसे जननेता हैं जिनके लिए जनता ही सब कुछ हैं। ऐसे सेवाभावी और लोकप्रिय जनसेवक बहुत कम होते हैं जिनके लिए जनता का विकास और जनता का साथ ही सबसे महत्वपूर्ण होता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का अब तक का कार्यकाल इस बात का प्रमाण है कि यदि नेतृत्व ईमानदार, समर्पित और जनता की आकांक्षाओं से जुड़ा हो तो विकास की राह कठिन नहीं होगी।

(लेखक उप संचालक जनसंपर्क हैं)

सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं मिट्टी के बर्तन

प्राचीन काल से ही मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल होता आ रहा है। हालांकि वर्तमान समय में मिट्टी के बर्तनों की जगह प्लास्टिक या अन्य धातु से बने बर्तनों ने ले ली है। लेकिन आज भी सजावट के लिए ज्यादातर लोग मिट्टी से बनी चीजों का प्रयोग करते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी के बर्तन व्यक्ति की बंद किस्मत को जगा सकते हैं। विद्वानों के अनुसार, घर पर मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल शुभ माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जानिए वास्तु में किन तीन मिट्टी की चीजों को घर पर रखना शुभ माना जाता है।

मिट्टी का घड़ा

वास्तु के अनुसार, मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि घर आती है। मिट्टी का घड़ा सदैव उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए। इसके साथ ही घड़े को कभी खाली नहीं छोड़ना चाहिए। मान्यता है कि घर पर मिट्टी का घड़ा रखने से सुख-समृद्धि का वास होता है। आपको बता दें कि आज भी आयुर्वेदाचार्य मिट्टी के घड़े का पानी सेहतमंद बताते हैं।

मिट्टी का प्रतिमाएं

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, पूजा स्थल पर मिट्टी से बनीं देवी-देवताओं की प्रतिमाएं रखना शुभ हता है। इसलिए घर के मंदिर में हमेशा मिट्टी से बनी देवी-देवताओं की मूर्ति रखनी चाहिए। इन प्रतिमाओं को हमेशा घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) या दक्षिण-पश्चिम दिशा में ही रखना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

मिट्टी का दीपक

वर्तमान समय में पूजा स्थल पर मिट्टी के दीपक का बहुत कम लोग इस्तेमाल करते हैं। मिट्टी के दीपक की जगह धातु से बने दीपक का इस्तेमाल होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मिट्टी से बने दीपक को घर पर जलाना शुभ होता है। कहते हैं कि ऐसा करने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

क्या घर के पास मंदिर का होना शुभ है? क्या कहता है वास्तु

मंदिर आपके मन को शांति प्रदान करने का एक अच्छा माध्यम माना जाता है। लोग अक्सर अपने घरों और आस-पास के स्थानों में मंदिर बनवाते हैं जिससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहे और आध्यात्मिक शांति प्राप्त हो। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का होना शुभ माना जाता है या अशुभ, यह कई बातों पर निर्भर करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर का निर्माण और उसका स्थान बहुत ज्यादा मायने रखता है। मंदिर से निकलने वाली ऊर्जा का प्रभाव घर के वातावरण पर पड़ता है, जो सकारात्मक या नकारात्मक दोनों हो सकता है। यदि यह मंदिर उचित दिशा और नियमों के अनुसार स्थित है, तो यह घर में सुख-समृद्धि और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। वहीं, यदि मंदिर घर के बहुत नजदीक या गलत दिशा में स्थित है तो यह घर के लिए वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है, जिससे आपके पारिवारिक जीवन में बाधाएं और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

घर के पास मंदिर होने के फायदे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर के पास मंदिर होने से घर पर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है, जिससे परिवार में शांति और समृद्धि आती है। मंदिर से होने वाले नियमित मंत्रोच्चार, आरती और भजन आपके घर के वातावरण को पवित्र बनाते हैं और नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं। इससे घर के सदस्यों में मानसिक शांति बनी रहती है और तनाव कम होता है। घर के पास मंदिर होने से आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ती है और पूजा-पाठ में रुचि बढ़ती है। यही नहीं, धार्मिक आयोजनों में भाग लेने का अवसर भी मिलता है, जिससे सामाजिक और धार्मिक जुड़ाव मजबूत होता है। आइए जानें इसके अन्य लाभों के बारे में-

सकारात्मक ऊर्जा का संचार

मंदिरों में नियमित रूप से पूजा-पाठ, मंत्रोच्चार और आरती होती है, जिससे वहां के आस-पास का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। यदि आपके घर के पास मंदिर है, तो वहां की पवित्रता और आध्यात्मिक शक्ति घर के सदस्यों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है। मंदिर की ऊर्जा घर में रहने वाले लोगों को भी प्रभावित करती है और उनकी मानसिक स्थिति अच्छी बनी रहती है।

मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति

यदि आपका घर मंदिर के पास है तो ऐसे स्थान पर रहने से व्यक्ति की धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ती है और ध्यान व प्रार्थना के लिए एक पवित्र वातावरण प्राप्त प्राप्त होता है। इससे आपके जीवन में मानसिक शांति बनी रहती है और आध्यात्मिक उन्नति भी होती है।

नकारात्मक शक्तियों से रक्षा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, मंदिरों में नियमित रूप से घंटों की ध्वनि गूंजती है और हवन व यज्ञ होते हैं, जो नकारात्मक शक्तियों और बुरी ऊर्जा को दूर करने में सहायक होते हैं। इस कारण घर के आस-पास मंदिर होना शुभ माना जाता है। जब आपका घर मंदिर के निकट होता है तो इन भजन-कीर्तन और हवन का सुवधा प्रभाव आपके जीवन पर पड़ता है और तन और मन शुद्ध बना रहता है।

सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव

मंदिर सिर्फ पूजा-अर्चना का स्थान नहीं होता है बल्कि यह धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का भी केंद्र होता है। मंदिर के पास घर होने से व्यक्ति सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहता है और अपने समुदाय से गहरा जुड़ाव महसूस करता है। धार्मिक उत्सवों, सत्संग और अन्य आयोजनों में भाग लेकर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि मिलती है। यह न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक सहयोग और मेल-जोल को भी बढ़ावा देता है। मंदिर का सकारात्मक वातावरण पारिवारिक जीवन में सौहार्द बनाए रखने में सहायक होता है, जिससे सामाजिक संतुलन बना रहता है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, मंदिरों के आसपास का क्षेत्र पवित्र होता है और वहां रहने से व्यक्ति का मन धार्मिकता की ओर ज्यादा आकर्षित होता है। पुराणों में भी इस बात का उल्लेख है कि, मंदिर के समीप रहने से व्यक्ति को पुण्य लाभ प्राप्त होता है, लेकिन मंदिर से अत्यधिक निकटता कुछ परिस्थितियों में अशुभ भी हो सकती है। कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में अशुभ ग्रह प्रभावी हों और वह मंदिर के पास रहता हो, तो उसे विशेष पूजा-पाठ करने की सलाह दी जाती है। घर के पास मंदिर की मौजूदगी आपके लिए कई तरह से सकारात्मक हो सकती है, लेकिन यदि आपके घर में इसके कोई भी नकारात्मक प्रभाव हो रहे हैं तो आपके लिए वास्तु नियमों का पालन करना जरूरी है।

क्या घर के पास मंदिर का होना वास्तु अनुसार ठीक है?

- जहां एक तरफ घर के पास मंदिर होने से कुछ लाभ हैं, वहीं कुछ वास्तु कारणों से मंदिर और घर आस-पास होने के नकारात्मक प्रभाव भी हो सकते हैं। आइए जानें इसके बारे में-
- यदि घर के पास बड़ा मंदिर मौजूद हो और वहां हर समय धार्मिक गतिविधियां होती रहती हैं, तो यह कई बार घर के लोगों को उनके दैनिक जीवन और कार्यों में बाधा भी पहुंचा सकता है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि मंदिर का मुख्य द्वार या गर्भगृह किसी घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने है, तो यह आपके घर के लिए वास्तु दोष उत्पन्न कर सकता है। इससे घर में मानसिक तनाव, आर्थिक समस्याएं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी हो सकती हैं।
- कई भार घर के आस-पास मौजूद बड़े मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ होती है, जिससे घर में हमेशा शोर का वातावरण हो सकता है, इससे घर में रहने वालों की दिनचर्या प्रभावित होती है और घर के छात्रों और बुजुर्ग लोगों पर इसका नकारात्मक प्रभाव होने लगता है।

घर के पास में मंदिर है तो आजमाएं वास्तु के ये उपाय

- यदि आपके घर के आस-पास मंदिर मौजूद है और किसी तरह का वास्तु दोष उत्पन्न हो रहा है, तो कुछ आसान उपाय आजमाकर इसके दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है-
- यदि मंदिर का मुख्य द्वार आपके घर के द्वार के ठीक सामने है तो किसी भी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा लगाएं
- यदि आप मंदिर के ठीक पास रहते हैं तो घर में नियमित रूप से पूजा-पाठ, हवन और मंत्रोच्चार करें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।
- अगर मंदिर का ऊर्जात्मक प्रभाव घर पर पड़ रहा है, तो घर की खिड़की या दरवाजे के पास हल्के रंग का पर्दा लगाएं या ऊंची दीवार बनवाएं जिससे ऊर्जा का संतुलन बना रहे।
- यदि आपके घर पर मंदिर के कारण बहुत अधिक भीड़ और शोरगुल होता है, तो घर में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए ध्यान और योग करें, इससे मानसिक शांति बनी रहेगी।

घर के मंदिर में वास्तु अनुसार रखें मूर्तियों की संख्या

हिंदू धर्म में सभी भगवानों की विशेष रूप से पूजा करने का विधान है। पूजा के लिए लोग घर के मंदिरों में भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि जिस प्रकार से घर की सभी चीजों के लिए वास्तु का पालन करना जरूरी है वैसे ही भगवान की मूर्तियों को भी वास्तु के अनुसार ही स्थापित करना चाहिए। घर के मंदिर में आपको हमेशा मूर्तियों की स्थापना करते समय कुछ विशेष बातें ध्यान में रखनी चाहिए। यदि आप अपने जीवन से सभी बाधाओं को दूर करना चाहती हैं और धन को आकर्षित करना चाहती हैं, तो आपको मंदिर में सही संख्या में ही भगवान की मूर्तियां रखनी चाहिए।

यदि आप अपने घर के मंदिर में भगवान गणपति की मूर्ति रख रही हैं तो इनकी संख्या दो से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आप कभी भी गणपति की मेटल की 2 मूर्तियां न रखें। आप मंदिर में एक मेटल और एक किसी और चीज जैसे पाषाण की बनी मूर्ति रख सकती हैं। एक ही मंदिर के अंदर दो से ज्यादा मूर्तियां आपके घर में समस्याओं का कारण बन सकती हैं। हालांकि आप दो मूर्तियों के साथ गणपति की तस्वीर रख सकती हैं।

भगवान कृष्ण की मूर्तियों की संख्या

यदि आप घर के मंदिर में भगवान कृष्ण की मूर्ति स्थापित करती हैं तो ध्यान में रखें कि उन्हें हमेशा राधा रानी के साथ ही स्थापित करें। इससे घर में प्रेम भाव बना रहता है। यदि आप इनकी मूर्तियों की संख्या की बात करें तो कृष्ण के बाल स्वरूप की एक मूर्ति और लड्डू गोपाल के दो स्वरुप रख सकती हैं। वहीं आप राधा रानी के साथ कृष्ण की एक ही मूर्ति रखें तो यह आपके लिए शुभ होगा।

भगवान हनुमान की मूर्तियों की संख्या

यदि आप घर के मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति रख रही हैं तो एक से ज्यादा मूर्ति न रखें। यदि आप उनकी तस्वीर रख रही हैं तो ऐसी तस्वीर सबसे ज्यादा शुभ होगी जो भगवान राम दरवार के साथ हो। कभी भी हनुमान जी के रौद्र रूप की तस्वीर या मूर्ति घर में न रखें, ऐसी मूर्ति आपके घर में झगड़ों का कारण बन सकती है।

भगवान शिव की कितनी मूर्तियां हैं शुभ

यदि आप भगवान शिव की मूर्ति अपने घर के मंदिर में रखती हैं तो ध्यान रखें कि शिव जी की एक ऐसी मूर्ति रखें जिसमें वो माता पार्वती या अपने परिवार के साथ हों, जिसमें गणपति भी मौजूद हों। शिवलिंग की बात करें तो घर में कभी भी एक से ज्यादा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए और इसका आकार अंगूठे से ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए।

घर के मंदिर में न रखें ऐसी मूर्तियां

- वास्तु की मानें तो आपको घर के मंदिर में कभी भी मीरा या रुक्मिणी के साथ भगवान कृष्ण,सिद्धि और रिद्धि के साथ भगवान गणेश और दो पत्नियों देवसेना और वल्ली के साथ भगवान कार्तिकेय की मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए।
- भगवान शिव के नटराज रूप की मूर्ति या तस्वीर न रखें, इससे आपके घर का माहौल नकारात्मक हो सकता है।
- आप देवी-देवताओं की दिव्य त्रिमूर्ति- सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा की एक-एक मूर्ति रख सकती हैं, लेकिन कभी भी एक ही देवी की 3 मूर्तियां न रखें।
- एक शिवलिंग की स्थापना करते समय कई नियमों का पालन करने की आवश्यकता होती है, इसलिए कभी भी दो शिवलिंग न रखें।
- किसी भी तरह की खंडित मूर्ति घर के मंदिर में न रखें।

संक्षिप्त समाचार

आईआईएफएल फाईनेंस 2,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी किए

रायपुर। देश की प्रमुख नॉन-बैंकिंग फाईनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) में सेएक, आईआईएफएल फाईनेंस लिमिटेड ने रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबलडिबेंचर (एनसीडी) के पब्लिक इश्यू जारी किए हैं, जो मंगलवार, 17 फरवरी, 2026 से मिलना शुरू होंगे। इनका इश्यू साईज़ 500 करोड़ रुपये है, और 1,500 करोड़ रुपये तक का ओवरसब्सक्रिप्शन बनाए रखने केलिए ग्रीन-शू विकल्प है। इस प्रकार कुल इश्यू साईज़ 2,000 करोड़ रुपयेका होगा। इस फंड का उद्देश्य कंपनी के व्यवसाय में वृद्धि करना और पूंजीबढ़ाना है। इस एनसीडी द्वारा 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष तक का प्रभावी रिटर्न मिलेगा औरयह 24 महीनों, 36 महीनों, और 60 महीनों की अवधियों के लिए उपलब्धहोगा। ब्याज का पे-आउट मासिक, वार्षिक या मैच्योरिटी के बाद लिया जा सकता है। इस इश्यू को क्राईसिल रेटिंग्स ने क्राईसिल एए/स्टेबल रेटिंग दी है।ब्रिकवर्क रेटिंग्स द्वारा इसे बीडब्लूआर एए+ (स्टेबल) रेटिंग दी गई है, जिससे प्रदर्शित होता है कि इनमें बहुत कम क्रेडिट रिस्क है और येफाईनेंशियल दायित्वों को समय पर पूरा करने के लिए बहुत ज्यादासुरक्षित हैं। श्री निर्मल जैन, फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, आईआईएफएल फाईनेंस ने कहा कि, ''आईआईएफएल फाईनेंस भारत के प्रमुखएनबीएफसी में से एक है। यह पूरे देश में मजबूत स्थिति रखता है। इसकाडाईवर्सिफाईड रिटेल पोर्टफोलियो 4.6 मिलियन से अधिक वंचित ग्राहकोंको क्रेडिट प्रदान करता है। इस प्रस्तावित फंड के माध्यम से हम क्रेडिटकी उपलब्धता और अधिक बढ़ाएंगे तथा अपने फंडिंग स्रोतों का विस्तारकरेंगे। पिछले कुछ सालों में आईआईएफएल फाईनेंस ने बॉन्ड के माध्यमसे फंड एकत्रित करने का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है तथा मूलराशि एवं ब्याज का समय पर भुगतान किया है।''

ज़ीस्केलर और भारती एयरटेल ने देश में साइबर सुरक्षा और भरोसेमंद AI को बढ़ावा देने के लिए AI एंड साइबर थ्रेट रिसर्च सेंटर' शुरू करने की घोषणा की

नई दिल्ली: क्लाउड सुरक्षा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ज़ीस्केलर इंक. ने भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों में से एक भारती एयरटेल (एयरटेल) के साथ मिलकर आज "AI एंड साइबर थ्रेट रिसर्च सेंटर – इंडिया÷ के शुरुआत की घोषणा की है। यह एक साझा डिजिटल पहल है, जिसका उद्देश्य भारत की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा क्षमता को मजबूत करना है। यह दूरसंचार, बैंकिंग और ऊर्जा जैसे देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों, उद्योगों और प्रमुख डिजिटल संपत्तियों की रक्षा करने पर केंद्रित है। साथ ही, यह डिजिटल उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित रखने और भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल वातावरण में भरोसेमंद AI के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए भी समर्पित है। भारत लंबे समय से ज़ीस्केलर के लिए तकनीकी नवाचार और साइबर शोध का प्रमुख केंद्र रहा है। कंपनी की प्रतिभाशाली शोध टीम का बड़ा हिस्सा भारत में ही कार्यरत है। यह नया रिसर्च सेंटर ज़ीस्केलर की मौजूदा गतिविधियों का विस्तार होगा और निजी क्षेत्र, सरकारी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों तथा सरकार के बीच सहयोग के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में काम करेगा। यह केंद्र ÷भारत में, भारत के लिए÷ (इन इंडिया, फॉर इंडिया) की सोच के साथ तैयार किया गया है, जिसका लक्ष्य राष्ट्र की साइबर रक्षा को मजबूत करना और विकसित भारत तथा एक शांतिपूर्ण, सुरक्षित और डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में भारत की प्रगति का समर्थन करने के लिए भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं की मजबूत श्रृंखला तैयार करना है। भारत इस समय बड़े स्तर पर डिजिटल बदलाव के दौर से गुजर रहा है। यहां डिजिटल प्रणालियां केवल कंपनियों के स्तर पर नहीं बल्कि पूरी आबादी के स्तर पर महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकसित की जा रही हैं, जिससे साइबर हमलों का दायरा भी तेजी से बढ़ रहा है। इसी दौरान साइबर खतरे भी मशीन की गति से बदल रहे हैं। कई देशों द्वारा समर्थित और आर्थिक लाभ के उद्देश्य से काम करने वाले हमलावर अब AI का उपयोग कर मिनटों में ही सिस्टम की कमियों की पहचान कर उसका दुरुपयोग कर रहे हैं। ज़ीस्केलर की रिसर्च यूनिट थ्रेटलैब्ज इंडिया ने हर महीने लाखों घुसपैठ की कोशिशें दर्ज की हैं, जिनमें शामिल हैं: क्षेत्रीय भू-राजनीतिक तनाव के नाम पर की गई राष्ट्र-राज्य समर्थित साइबर जासूसी गतिविधियां, जिन्होंने कई भारतीय संस्थाओं को अपना निशाना बनाने की कोशिश की। भारत के निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में घुसपैठ के प्रयासों में उछाल, जिसमें 58 भारतीय डिजिटल संस्थाओं को निशाना बनाने वाले 20,000 स्रोतों से 12 लाख घुसपैठ के प्रयास हुए, और भारत में कई उद्योगों को निशाना बनाने वाले ज़ीरो डे एक्सप्लॉइट (नई और पहले से अज्ञात कमजोरियों का फायदा उठाने के) प्रयासों में वृद्धि। जैसे जैसे खतरे ज्यादा जटिल होते जा रहे हैं बाहरी घेरे वाले पुराने सुरक्षा मॉडल अब पर्याप्त नहीं रह गए हैं और ऐसे में जरूरी सेवाओं में रुकावट आना देश की आर्थिक स्थिरता के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए सुरक्षित ढंग से डिजाइन की गई बुनियाद और आधुनिक ढांचागत बदलाव अनिवार्य हो गए हैं ताकि तेजी से सीमा रहित होते और AI सक्षम वातावरण में राष्ट्रीय डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा की जा सके।

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय सुकमा-1 में गतिविधि बैगलेस डे के अंतर्गत प्राकृतिक गुलाल निर्माण का आयोजन

सुकमा (समय दर्शन)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय सुकमा-1 में बैगलेस डे गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए एक विशेष शैक्षिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बिना किसी रासायनिक पदार्थ के पूर्णत: प्राकृतिक तरीके से गुलाल बनाना सिखाया गया। विद्यार्थियों ने फूलों एवं सब्जियों से प्राकृतिक रंग तैयार कर पर्यावरण अनुकूल होली के महत्व को समझा।

इस कार्यक्रम में मां बम्लेश्वरी जनहित कार्य समिति, राजनांदगांव से विशेष रूप से प्रशिक्षकों को आमंत्रित किया गया। प्रशिक्षक सुश्री सुरेखा साहू, सुश्री कामेश्वरी साहू एवं सुश्री यमुना साहू ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक गुलाल बनाने की विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया तथा इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संबंधी लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य संजय मंडल के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक रंगों का उपयोग न केवल स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में सृजनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा स्वच्छ एवं हरित जीवनशैली के प्रति जागरूकता विकसित हुई।

इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा के महत्व पर भी विशेष प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि इस प्रकार की व्यवहारिक गतिविधियां उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करती हैं। प्राकृतिक गुलाल निर्माण जैसी प्रक्रियाएं कौशल विकास, लघु उद्यम की संभावनाओं तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग की समझ को बढ़ाती हैं। बैगलेस डे का उद्देश्य केवल पुस्तक ज्ञान तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों को जीवनोपयोगी कौशल प्रदान करना भी है, जिससे वे भविष्य में स्वरोजगार एवं नवाचार की दिशा में आगे बढ़ सकें। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की तथा सभी को सुरक्षित, स्वच्छ एवं पर्यावरण-अनुकूल होली मनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

गुलाल के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के महुआ रागी, जवार बाजार, मोटे अनाज के लड्डू बनाने की कार्यशाला भी आयोजित की गई। इस प्रकार की कार्यशाला आज तक कभी भी स्कूल में नहीं कराई गई थी। बच्चों में एक नया उमंग और उत्साह के साथ सीखने की भावना दिखाई दी। इन चीजों की इन क्षेत्रों में बहुत ज्यादा उपलब्ध है, यहां प्रशिक्षण रोजगारपरक और बहुत सारी चीजों को सिखाने वाला था। गुलाल बनाना, लड्डू बनाना बच्चों ने बहुत आनंद में ढंग से मजा लिया।प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने प्रशिक्षकों और एवं सभी शिक्षकों को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया, जिन्होंने प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दी। प्रभारी शिक्षक मलय कुमार, वेद प्रकाश, संजय कुमार, अमन पंथी सभी शिक्षकों को धन्यवाद दिया।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में योजनाओं एवं गतिविधियों की गहन समीक्षा

ठोस कार्ययोजना बनाकर विभिन्न योजनाओं में लाएं बेहतर एवं परिणाममुखी प्रगति कलेक्टर

डिजिटल जनगणना-2027 की तैयारी, हीटवेव व पेयजल संकट पर अग्रिम कार्ययोजना बनाने के दिए निर्देश

कार्यालय निर्धारित समय पर आने और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं परदर्शिता सुनिश्चित करने दिए निर्देश

प्रति सप्ताह बैठक आहूत लेकिन शिक्षा विभाग, खनिज विभाग कि कलेक्टर जनदर्शन में विभिन्न शिकायत प्रतिवेदन लंबित कलेक्टर कि प्रशासनिक कार्यों एवं शिकायत पर पतंगबाजी कि तर्ज पर जूं तक नहीं

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जनगणना-2027 की तैयारियों, हीटवेव प्रबंधन, पेयजल उपलब्धता, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा हितग्राही मूलक योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की एवं समयबद्ध तथा लक्षित प्रगति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि आगामी जनगणना-2027 पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संपन्न होगी। जनगणना दो चरणों में होगी। प्रथम चरण में मकानों का सूची करण एवं द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। यह कार्य मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा तथा 'सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम' के जरिए मॉनिटरिंग होगी। उन्होंने कहा कि 18 फरवरी को आयोजित वृहद प्रशिक्षण के पश्चात अब मैदानी स्तर पर तैयारी तेज की जाए। प्रगणक, पर्यवेक्षक एवं ट्रेनर का चयन तकनीकी दक्षता को ध्यान में रखकर किया जाए। यह केवल हेड काउंट प्रक्रिया है, इसमें किसी प्रकार का इन्टाइटलमेंट परिवर्तन या समानांतर सर्वे नहीं होगा तथा व्यक्तिगत संवेदनशील जानकारी नहीं ली जाएगी। ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। निर्माण विभाग को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। जनशिकायतों के त्वरित निराकरण, ठेकेदारों के लंबित भुगतान समय-सीमा में पूर्ण करने तथा ग्रामीण यंत्र सेवा के लंबित कार्य शीघ्र निराकरण के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में सभी अधिकारियों को बायोमेट्रिक अटेंडेंस का कड़ाई से पालन करने तथा फाइलों का प्रेषण ई-ऑफिस के माध्यम से ही करने के निर्देश दिए गए। मंगलवार एवं बुधवार को अनिवार्य रूप से कार्यालय में उपस्थित रहकर जनता से मुलाकात करने तथा उसका समय कार्यालय में चस्पा करने को कहा गया। शासकीय कार्यक्रमों में राष्ट्रगान के बाद राष्ट्रगीत एवं लोकार्पण-शिलान्यास में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

कलेक्टर ने आधार एनरोलमेंट एवं एमबीयू कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए हितग्राही योजनाओं में ई-केवाईसी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। हीटवेव को देखते हुए अग्रिम तैयारी, राशन दुकानों में चावल की समय पर उपलब्धता, चावल उत्सव की तैयारी तथा 28 फरवरी तक धन उठाव पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। किसानों के लिए खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूर्व तैयारी करने के निर्देश दिए। पंचायत विभाग अंतर्गत आजीविका डबरी, आंगनबाड़ी निर्माण, आवास पूर्णता, पीएम जनमन सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड, व्यय वंदना कार्ड, अभा कार्ड, संस्थागत प्रसव टीकाकरण आदि योजनाओं एवं गतिविधियों के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए समयबद्ध एवं लक्षित लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं में जिले की रैंकिंग बेहतर करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर परिणाममुखी कार्य करें। साथ ही, गर्मी के मौसम में पेयजल संकट न उत्पन्न हो, इसके लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनता के हित में किए जा रहे सकारात्मक कार्यों की जानकारी नियमित रूप से साझा करें। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी, पथरिया एसडीएम श्रीमती रेखा चंद्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पंडरिया विधानसभा के आदिवासी परिवार के लगभग 165 लोगों ने की घर वापसी

विधायक भावना बोहरा ने किया सांस्कृतिक स्वाभिमान का शंखनाद।

कवर्धा (समय दर्शन)। विधानसभा क्षेत्र पंडरिया में विधायक भावना बोहरा द्वारा लगातार सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार से लेकर आदिवासी एवं वनवासी संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। वनांचल क्षेत्रों से 165 आदिवासी लोगों ने अपने मूल धर्म एवं परंपराओं में पुनः आस्था व्यक्त करते हुए घर वापसी की। यह आयोजन ग्राम कुल्हीडोंगरी में प्राथमिक शाला के पास आयोजित संस्कृति गौरव सम्मान एवं अभिनंदन समारोह में संपन्न हुआ। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सभी लौटे हुए जनजातीय भाई-बहनों का स्वागत करते हुए उनके पैर पखारकर सम्मानित किया। यह क्षण सांस्कृतिक आत्मगौरव और सामाजिक एकता का प्रतीक बन गया। इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि वनांचल क्षेत्र के 165 आदिवासी लोगों ने अपने मूल धर्म और परंपराओं में पुनः विश्वास व्यक्त करते हुए समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संकल्प लिया है। यह केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता, सामाजिक एकता और आत्मगौरव से जुड़ा व्यापक सामाजिक अभियान है। उन्होंने कहा कि संसाधनों की कमी के कारण पूर्व में कुछ लोगों द्वारा प्रलोभन या दबाव के माध्यम से धर्मांतरण कराया गया। परंतु डबल इंजन भाजपा सरकार के आगमन के बाद विकास कार्यों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से वनांचल क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। निरंतर संवाद, जनसंपर्क, पारदर्शी विकास कार्यों और विश्वास निर्माण के प्रयासों ने ऐसा वातावरण बनाया है, जिससे जनजातीय परिवार पुनः अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट रहें हैं।

विधायक भावना ने बताया कि राज्य में धर्मांतरण पर रोक हेतु सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। आगामी विधानसभा बजट सत्र में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026 रखा जाएगा। यह विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार की रक्षा करेगा और प्रलोभन, दबाव या छलपूर्वक धर्म परिवर्तन की गतिविधियों को नियंत्रित करेगा। इसके साथ ही राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित कर विकास के माध्यम से मुख्यधारा से जुड़ाव सुनिश्चित करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा वनांचल क्षेत्रों में विकास एवं रोजगार के अवसरों का विस्तार किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा, निःशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब, 2 बाइक एम्बुलेंस, शैक्षणिक सुविधाओं का विस्तार, अधोसंरचना एवं विकास कार्य, जनजातीय परिवारों के लिए पीएम आवास, पीएम जनमन योजना के अंतर्गत पक्की सड़कों का निर्माण, मूलभूत सुविधाओं के विस्तार से लगातार यहां की तस्वीर बदल रही है। विधायक भावना बोहरा ने दोहराया कि सरकार का संकल्प है कि वनांचल का प्रत्येक परिवार शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सम्मानजनक जीवन से जुड़े। कुल्हीडोंगरी का यह आयोजन केवल घर वापसी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और विकास के समन्वय का प्रतीक बन गया। वनांचल के जनजातीय परिवार आज अपनी परंपराओं से पुनः जुड़ते हुए विकास की मुख्यधारा में सहभागी बन रहे हैं यही इस पहल का मूल उद्देश्य है।

आयोजन में वरिष्ठ आदिवासी नेता धनवा परस्ते ने विधायक भावना को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे आदिवासी भाई-बहनों को पुनः उनकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के लिए प्रयास में हम उनके साथ हैं। कार्यक्रम में नगर पालिका इंदौरी अध्यक्ष श्रीमती मित्रीन बाई मांडले जी, उपाध्यक्ष जशवंत साहू, उत्तम मार्सकोले, कुल्हीडोंगरी सरपंच संजीव परस्ते, रूपेश जैन, नवल पांडेय, खेम सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष खिलेश्वर साहू, नरेश साहू, जनपद अध्यक्ष नंदिनी साहू, स्वतंत्र तिवारी, राजकुमार यादव, थानेश्वर साहू कार्यकर्ताओं एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों के बीच विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विधानसभा क्षेत्र में अब तक 400 से अधिक आदिवासियों की वापसी हुई- विधायक भावना ने कहा कि उनके प्रयासों से विभिन्न क्षेत्रों में घर वापसी हुई है। नेऊर क्षेत्र के आसपास के गांवों से 115 नागरिक, कुई-कुकदुर क्षेत्र से 70 नागरिक एवं ग्राम दमगढ़ से 50 नागरिक और आज कुल्हीडोंगरी में 165 नागरिकों की वापसी के साथ, पंडरिया विधानसभा के वनांचल क्षेत्रों से अब तक लगभग 400 से अधिक आदिवासी नागरिक अपने मूल धर्म और सांस्कृतिक जड़ों से पुनः जुड़े हैं। यह केवल आस्था नहीं, सांस्कृतिक अस्मिता और आत्मगौरव का अभियान है। जमीनी स्तर के कार्यों से वनांचल क्षेत्रों में निवासरत जनजातीय परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन लोरमी उपमुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

मुंगेली(समय दर्शन) छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन लोरमी के पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न मांगो के निराकरण करने हेतु उपमुख्यमंत्री अरुण साव विधायक लोरमी को सौपा ज्ञापन साथ ही शैक्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन किया गया।

मुख्य मांग इस प्रकार है जिसमें उचित निर्णय लेने की बात कही तथा कुछ स्थानीय मांगों को तत्काल पूर्ण करने की सहमति दिया। माननीय उच्च न्यायालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा डब्लूपी 647/2021 दिनांक 23/01/2026 एवं रमेश चंद्रवंशी डब्लूपी 2255/2021 एवं अन्य याचिकाओं पर पारित निर्णय के तहत पूर्व सेवा गणना करते हुए संविलियन पूर्व सेवा को पेंशन योग्य सेवा मान्य करने आदेश जारी करने बाबत। केंद्र सरकार, उत्तरप्रदेश सरकार व उत्तराखंड सरकार की तरह छत्तीसगढ़ राज्य में भी पेंशन निर्धारण के लिए 33 वर्ष अहंकारी सेवा के स्थान पर 20 वर्ष अर्हकारी सेवा होने पर 50 प्रतिशत पेंशन निर्धारण का प्रावधान किया जावे।

न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा अवधि पर पेंशन निर्धारण का प्रावधान है, इससे एल बी संवर्ग के अनेक शिक्षक बिना पेंशन के सेवानिवृत हो रहे है, अत: न्यूनतम 5 वर्ष की सेवा अवधि पर पेंशन निर्धारण का प्रावधान किया जावे।

30 हजार सहायक शिक्षक पदोन्नति एवं क्रमोन्नति

से वंचित है, पदोन्नति हेतु दिए गए वन टाईम रिलेक्सेशन की तरह क्रमोन्नति के लिए 10 वर्ष की सेवा को एक बार (वन टाइम रिलेक्सेशन) के लिए शिथिल करते हुए 5 वर्ष में क्रमोन्नति का लाभ देने प्रावधान किया जावे। छत्तीसगढ़ राजपत्र शिक्षक पंचायत संवर्ग भर्ती तथा सेवा की शर्ते नियम 17 अगस्त 2012 के तहत शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अनिवार्य किया गया है, इसके पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता समाप्त किया जावे साथ ही माननीय सुप्रीम कोर्ट के 1 सितम्बर 2025 को पारित निर्णय में हस्तक्षेप/पुनर्विचार याचिका दायर करते हुए शिक्षा विभाग द्वारा विभागीय सीमित परीक्षा आयोजित कर सेवारत शिक्षकों के हितों की रक्षा किया जावे।

सहायक शिक्षक, शिक्षक जो केवल डीएड या समकक्ष योग्यता रखते हैं, उन सभी के लिए एनसीटीई के नियमानुसार कोर्स निर्धारण कर 6 माह के बीएड ब्रिज कोर्स शीघ्र प्रारम्भ किया जावे। स्कूलों में मोबाइल वीएसके ऐप से ऑनलाइन अटेंडेंस के स्थान पर स्कूलों में बायोमैट्रिक (पंच) मशीन से उपस्थिति लिया जावे। शिक्षक सदन की मांग - जिले के अन्य विकास खंड की तरह लोरमी में भी शिक्षक सदन की मांग को प्रमुखता से रखा गया जिसे तत्काल पुरा कराए जाने का आश्वासन दिया।विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पास शराब भट्ठी के कारण होने वाली परेशानी को देखते हुए कार्यालय को अन्यत्र संचालन करने संबंधी मांगों पर उचित निर्णय लेने की बात कही गई। संतान पालन अवकाश की पात्रता केवल महिला शिक्षक को है इसे पुरुष शिक्षकों के लिए भी लागू कराए जाने की मांग रखी गई।ज्ञापन सौंपने के दौरान विकास खंड लोरमी के जिला संगठन सचिव रामसिंह ठाकुर, ब्लाक अध्यक्ष मिल्लू राम यादव, तहसील अध्यक्ष रहीम डाहिरे एवं लेखराम नेताम, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अन्नपूर्णा परिहार, राजा सिंह मिरी, शाबीर खान, कुंदन पात्रे, डां.सत्यनारायण तिवारी, कामेश्वर कश्यप लीलाधर साहू, मुकेश वैष्णव, अमित केडी, सचिव संतोष कुमार साहू, संचालक नारायण साहू, लालसिंह राठौर, मिडिया प्रभारी युगल राजपूत, मोतिमा साहू कमलेश्वरी साहू, बसंत पटेल, रामगोपाल निषाद, रामखिलावन डड़सेना, कृष्णचंद्र राजपूत, अशोक कुमार साहू, बुधेश्वर ध्रुव, रामरतन साहू सुरेंद्र कुमार राजपूत,नोहर कोहली अशोक टोंडे, दिनेश डड़सेना सहित गिरीश राजपूत सहित संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खबर-खास

एक दिवसीय शाखकर्तन संबंधी प्रशिक्षण संपन्न

कवर्धा जिला यूनियन कवर्धा अंतर्गत आने वाले समस्त फड़ प्रभारी, फड़मुंशी, प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति के अध्यक्ष, वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को दिनांक 19 फरवरी को एक दिवसीय शाखकर्तन संबंधी प्रशिक्षण काष्ठागार डिपो कवर्धा में दिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती एम. मर्सीबेला, मुख्य वन संरक्षक, दुर्ग वृत्त दुर्ग, दुखीराम धुर्वे, अध्यक्ष, जिला यूनियन कवर्धा, भागवत साहू, उपाध्यक्ष, जिला यूनियन कवर्धा, निखिल अग्रवाल, प्रबंध संचालक, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कवर्धा, श्रीमती अनीता साहू, उप प्रबंध संचालक, जिला लघु वनोपज सहकारी संघ कवर्धा एवं डॉ. सी.पी. रहांगडाले, वैज्ञानिक फारेस्ट्री, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा की उपस्थिति रही।

तेंदूपत्ता सीजन वर्ष 2026 में तेंदूपत्ता संग्रहण दर 5500/- रू. प्रति मानक बोरा तथा शाखकर्तन कार्य दर 70/- रू. प्रति मानक बोरा निर्धारित है। जिला यूनियन कवर्धा अंतर्गत कुल 19 समितियां, 24 लॉट एवं 269 फड़ संचालित है। प्रशिक्षण में शाख कर्तन (बूटा कटाई) के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसमें शाख कर्तन (बूटा कटाई) क्यों करे, कब करें, कहां करें, कैसे करें, निरीक्षण, भुगतान एवं महत्वपूर्ण सावधानियां के बारे में पावरप्वाईंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी गई।

उक्त प्रशिक्षण में समस्त संचालक मंडल सदस्यगण, जिला यूनियन कवर्धा, कवर्धा वनमंडल के समस्त उप वनमंडलाधिकारी, समस्त परिक्षेत्र अधिकारी, समस्त पोषक अधिकारी, समस्त प्रबंधक, प्रा.ल.वनोपज सहकारी समिति के समस्त फड़मुंशी,, समस्त फड़ अभिरक्षक, समस्त समिति अध्यक्ष, वन प्रबंधन समति के समस्त अध्यक्ष एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे।

20 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद। नशे के विरुद्ध *नया सवेरा* अभियान अंतर्गत गरियाबंद पुलिस द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अवैध नशे के परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं रोकथाम के संबंध में निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत मुखबिर एवं पेट्रोलिंग को सक्रिय किए थे। जो सोमवार को थाना प्रभारी गरियाबंद को सूचना मिला कि एक व्यक्ति के द्वारा अधिक मात्रा में कच्ची महुआ शराब बिक्री करने हेतु अपने घर में रखा हुआ है।जिसकी सूचना पर थाना प्रभारी गरियाबंद द्वारा पुलिस टीम तैयार कर मुखबीर द्वारा बताए सूचना के आधार पर संदेही आरोपी के घर में रेड कार्यवाही कर मौके पर संदेही का नाम पूछने पर अपना नाम जोहत राम कमार पिता बुधलाल कमार उम्र 25 वर्ष निवासी भैंसातरा थाना गरियाबंद जिला गरियाबंद छत्तीसगढ़ का होना बताया।साथ ही घर की तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 20 लीटर क्षमता वाली सफेद रंग की जरकिन में भरा हुआ 20 लीटर कच्ची महुआ शराब को समक्ष गवाहन के कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपी जोहत राम कमार का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाए जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में दिया गया। उक्त आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

NAME CHANGE

this is to inform the general public that I, RAKHI SONI, W/O CHHEDI LAL SONI resident of W/O CHHEDI LAL SONI 47 WARD NO 33 GAWALI PARA DURG Chhattisgarh have changed my old name RAKHI SONI, W/O CHHEDI LAL SONI, and have adopted the new name ANSUIYA SONI W/O CHHEDI LAL SONI.

Hence, from today onwards, I should be known by my new name ANSUIYA SONI W/O CHHEDI LAL SONI, in all government, semi-government and other documents.

ANSUIYA SONI
W/O CHHEDI LAL SONI
resident of W/O CHHEDI LAL SONI 47 WARD NO 33,
GAWALI PARA DURG
Chhattisgarh

46वीं सब जूनियर नेशनल वॉलीबाल कोलकाता में छत्तीसगढ़ की एंट्री,छोटे, क्रितेश कश्यप दूसरी बार राष्ट्रीय वॉलीबाल में चयनित

गरियाबंद (समय दर्शन)। 46वीं सब जूनियर नेशनल (बालक एवं बालिका) वॉलीबाल चैम्पियनशिप का आयोजन 23 फरवरी से 01 मार्च 2026 तक पश्चिम बंगाल के हुगली में किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ की अंडर-16 टीम कोलकाता (वेस्ट बंगाल) के लिए रवाना हो चुकी है।इस दल में गरियाबंद जिले के उभरते खिलाड़ी क्रितेश कुमार कश्यप (कृष्णा) का चयन एक बार फिर हुआ है। यह उनका दूसरा नेशनल टूर्नामेंट है, जो उनके निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन और अनुशासन का प्रमाण है। खेलो इंडिया कान्हा क्लब से जुड़े कृष्णा लगातार जिले और राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं।

मार्गदर्शन और समर्थन से मिली उड़ान,,,,,क्रितेश कश्यप ने इस उपलब्धि का श्रेय छत्तीसगढ़ वॉलीबाल फेडरेशन के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, सचिव हेमप्रकाश नायक, पूर्व राष्ट्रीय सचिव अकरम खान, कोच कौशल वर्मा तथा गरियाबंद जिला वॉलीबाल फेडरेशन के सचिव हरमेश चावड़ा और कोच जीडी उपासने को दिया।उन्होंने कहा कि वरिष्ठ पदाधिकारियों और कोचों के मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं था। लगातार अभ्यास, अनुशासन और सही दिशा-निर्देशन ने मुझे यहां तक पहुंचाया है।

कान्हा क्लब के कोच जीडी उपासने ने क्रितेश कश्यप को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि पूरे गरियाबंद जिले के खेल संस्कार और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कृष्णा शुरू से ही अनुशासित, समर्पित और लक्ष्य के प्रति स्पष्ट सोच रखने वाला खिलाड़ी रहा है। नियमित अभ्यास, फिटनेस पर विशेष ध्यान और तकनीकी सुधार की लगन ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

उपासने ने कहा कि लगातार दूसरी बार नेशनल के लिए चयन होना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह दर्शाता है कि कृष्णा केवल प्रतिभाशाली ही नहीं, बल्कि निरंतर प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी है। उन्होंने विश्वास जताया कि 46वीं सब जूनियर नेशनल वॉलीबाल चैम्पियनशिप में भी कृष्णा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छत्तीसगढ़ और गरियाबंद जिले का नाम रोशन करेगा।

मेहनत और मार्गदर्शन से गरियाबंद के खिलाड़ी लिख रहे सफलता की नई कहानी- गफ्फू मेमन,,,,,,,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने क्रितेश कश्यप को 46वीं सब जूनियर नेशनल वॉलीबाल चैम्पियनशिप के लिए चयनित होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि गरियाबंद जैसे जिले से लगातार खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचना हम सभी के लिए गर्व का विषय है। यह साबित करता है कि यदि प्रतिभा को सही मार्गदर्शन और अवसर मिले तो छोटे शहरों के बच्चे भी देशभर में अपनी पहचान बना सकते हैं।

राज्य सलाहकार पुरुषोत्तम पंडा ने किया गरियाबंद के सुदूर क्षेत्रों का दौरा

स्वच्छता कार्यों का लिया जायजा

गरियाबंद (समय दर्शन)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के राज्य सलाहकार पुरुषोत्तम पंडा ने गरियाबंद जिले के ब्लॉक देवभोग और मैनपुर का दो दिवसीय सघन दौरा किया। इस प्रवास के दौरान उन्होंने मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यों की जमीनी हकीकत जानी और हितग्राहियों व स्वच्छताग्रहियों से सीधा संवाद किया। अपने दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान श्री पंडा ने देवभोग ब्लॉक की ग्राम पंचायत बरबाहली,चिचिया और डूमरबहाल का भ्रमण किया। इसके पश्चात उन्होंने मैनपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत इंदागांव,तौरेंगा,मैनपुरखुर्द और मैनपुरकला का दौरा कर वहां स्वच्छ भारत मिशन के तहत चल रहे निर्माण कार्यों और स्वच्छता प्रबंधन का बारीकी से निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान दीदियों ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, आपके आगमन से हमें नई ऊर्जा और मोटिवेशन मिला है। अब हम और भी अधिक जोश के साथ अपने गांवों को मॉडल बनाने की दिशा में कार्य करेंगे।निरीक्षण के दौरान श्री पंडा ने ग्राम पंचायत डूमरबहाल में सामुदायिक शौचालय के बेहतर संचालन के लिए उसकी जिम्मेदारी स्वच्छताग्राही दीदियों को सौंपने केलिए पंचायत से सरपंच को आग्रह किये,जिला समन्वयक परवेज हनफी ने भी दीदियों को संबोधित करते हुए बताया कि भविष्य में स्वच्छता मिशन से जुड़कर वे किस प्रकार अपनी आजीविका को सुदृढ़ कर सकती हैं और इसके क्या लाभ होंगे। राज्य सलाहकार ने विकासखंड देवभोग और मैनपुर के समन्वयक उत्तर यादव को इन ग्राम पंचायतों में चल रहे कार्यों पर विशेष ध्यान देने और मिशन के लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करने हेतु निर्देशित किया। कचरा संग्रहण,प्लास्टिक को इकट्ठा कर श्रेडिंग प्लास्टिक को पीएमजीएसवाई को रोड निर्माण के लिए बेचने हेतु सभी स्वच्छाग्रही समूह को प्रोत्साहित किया।साथ ही गाँव में ग्रे वाटर प्रवंधन हेतु संरचनाओं के निर्माण के संबंध में पंचायत को विशेष ध्यान देने तथा गाँव में निर्मित सभी स्वच्छता संरचनाओ को क्रियाशील करना एवं उनकी समय समय पर रख रखाव पर ध्यान देने हेतु निर्देशित किया।निरीक्षण के दौरान श्री पंडा ग्राम पंचायत इंदागांव के प्राथमिक शाला पहुंचे,जहाँ उन्होंने स्कूल का औचक निरीक्षण किया। स्कूल परिसर में फैली गंदगी को देखकर उन्होंने शिक्षकों से चर्चा कर शिक्षण संस्थानों में स्वच्छता सर्वोपरि है बच्चों को इस संबंध में जानकारी देते हुए स्कूल परिसर में शोक पीट एवं नाडेप निर्माण के लिए अनुरोध किया । साथ ही प्रत्येक शनिवार को स्वच्छ परिसर निर्माण के लिए श्रमदान हेतु सरपंच सचिव को निर्देशित किया।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण हेतु जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

डिजिटल स्व-गणना, मकान सूचीकरण एवं जनसंख्या गणना पर अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत जिले में जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी बी.एस.उईके की अध्यक्षता में आयोजित की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य मकान सूचीकरण, मकान गणना एवं आगामी जनसंख्या गणना के कार्यों को सुव्यवस्थित,सटीक एवं समयबद्ध रूप से संपादित करने हेतु अधिकारियों एवं कार्मिकों को तकनीकी एवं व्यावहारिक रूप से सक्षम एवं जागरूक करना है।

प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्री उईके ने कहा कि जनगणना देश के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है। इससे मिलने वाले आंकड़ों के आधार पर सरकार योजनाएं बनाती है और विकास कार्यों की दिशा तय होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना का कार्य पूरी गंभीरता, पारदर्शिता और शुद्धता के साथ किया जाए, ताकि सही और विश्वसनिय आंकड़े मिल सकें।कलेक्टर श्री उइके ने डिजिटल जनगणना के तहत शुरू की जा रही स्व-गणना प्रक्रिया को एक नई पहल बताते हुए कहा कि इससे आम लोगों को भी सीधे जुड़ने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि डिजिटल माध्यमों के उपयोग से जनगणना का काम आसान, तेज और कम त्रुटियों वाला होगा। साथ ही सभी कार्मिकों को तय समय-सीमा में चरणबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना निदेशालय के राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर रश्मिता श्वेन और प्रशिक्षण अधिकारी शुभम कुशवाहा ने प्रथम चरण में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने पावरपॉइंट प्रस्तुति के जरिए मकान सूचीकरण की प्रक्रिया, मकानों के प्रकार, डिजिटल फॉर्म भरने की विधि, फील्ड में डेटा एकत्र करने का तरीका और जनगणना के लिए तैयार पोर्टल व मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग के बारे में समझाया।

प्रशिक्षकों ने फील्ड में आने वाली संभावित चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की। साथ ही अधिकारियों को यह भी बताया गया कि डाटा की जांच कैसे की जाए और लोगों को डिजिटल स्व-गणना के लिए किस तरह सही मार्गदर्शन दिया जाए।इसके अलावा उनके आशंकित प्रश्नों पर कार्य प्रणाली को लेकर उचित देकर उनके प्रश्नों को हल किया। ताकि कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार की विसंगतियों से बचा जा सकें। कार्यक्रम में कार्यक्रम में जनगणना कार्य निदेशालय, प्रशिक्षक ट्रेनर रश्मिता श्वेन,सहायक प्रशिक्षण अधिकारी शुभम कुशवाहा,जिला नोडल जनगणना कार्य निदेशालय प्रिंस प्रशांत राव,अपर कलेक्टर एवं जनगणना चार्ज अधिकारी ऋचा ठाकुर,उप संचालक एवं अतिरिक्त जनगणना चार्ज अधिकारी ओम प्रकाश देशमुख,समस्त अनुविभागीय अधिकारी या अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित जनगणना से जुड़े अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु विजय मनहर को वाचस्पति (मानद डॉक्टरेट) उपाधि

बिर्रा। //समय दर्शन// इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान संग्रहालय, बालाघाट (मध्यप्रदेश) के तत्वावधान में 22 फरवरी 2026 को आयोजित 24वें राष्ट्रीय साहित्य एवं पुरातत्व महाअनुष्ठान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए विशिष्ट व्यक्तित्वों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं विद्वतजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरानी निवासी श्री विजय कुमार मनहर को पशु चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, समर्पण एवं नवाचारपूर्ण योगदान के लिए वाचस्पति की मानद उपाधि (डॉक्टरेट) प्रदान कर सम्मानित किया गया। श्री मनहर वर्तमान में पशुधन विकास विभाग, जांजगीर में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और ग्रामीण अंचलों में पशुपालकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर सक्रिय रहते हैं।

श्री मनहर को पूर्व में भी कई प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया जा चुका है, जिनमें गुरुघासीदास समता अवॉर्ड, कला रत्न अवॉर्ड, गुरु घासीदास सामाजिक चेतना सम्मान तथा डॉ. बाबा साहब अंबेडकर अवॉर्ड प्रमुख हैं। विभागीय सेवाओं के अतिरिक्त वे सामाजिक सरोकारों से भी सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। नशा मुक्ति अभियान, समाज सुधार गतिविधियों तथा सामाजिक संगठनों में उनकी सहभागिता उल्लेखनीय रही है। सामाजिक संघ एवं अजाक्स में पदाधिकारी के रूप में वे समाजहित में सतत कार्य कर रहे हैं। इस सम्मान पर पशुधन विकास विभाग, अजाक्स संघ, अधिकारी-कर्मचारी संघ, सतनामी समाज एवं जांजगीर-चांपा नगरवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। श्री विजय मनहर ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने वरिष्ठ अधिकारियों, गुरुजनों, माता-पिता एवं सहयोगियों को देते हुए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

होली में शराब दुकान खुलने के विरोध में कांग्रेस ने सीएम और डिप्टी सीएम का पुतला जलाया

जिले में बदतर कानून व्यवस्था का जताया विरोध

कवर्धा (समय दर्शन)। हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहारों में से एक होली के दिन शराब दुकानें खुले रखने के निर्णय का कांग्रेस ने कड़ा विरोध किया है और जिला कांग्रेस द्वारा जोरदार प्रदर्शन करते हुए 22 फरवरी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिले में बिगड़े कानून व्यवस्था के विरोध में उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा का पुतला दहन किया गया।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष नवीन जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बुलंद नारों के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा का पुतला दहन किया गया। जिला अध्यक्ष श्री जायसवाल ने कहा कि होली आस्था, परंपरा और भाईचारे का पर्व है। ऐसे पवित्र अवसर पर शराब दुकानें खोलना पूरी तरह गलत और समाज विरोधी निर्णय है। उन्होंने कहा कि यह फैसला जनता की भावना के विपरीत है। सरकार को त्योहारों की गरिमा बनाए रखने के लिए जिम्मेदारी दिखानी चाहिए थी, लेकिन इसके विपरीत राजस्व के लालच में समाज के हितों की अनदेखी की जा रही है। श्री जायसवाल ने कहा कि ने 21 फरवरी को कवर्धा में गृह मंत्री विजय शर्मा के निवास के सामने स्थित शनि देव मंदिर एवं हनुमान मंदिर में अज्ञात तत्वों द्वारा मूर्तियों के साथ की गई तोड़फोड़ की घटना भी एक गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह घटना दर्शाती है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति कितना लचर और चिंताजनक है। ब्लॉक अध्यक्ष छबि वर्मा ने कहा कि हत्या, लूट और चाकूबाजी की घटनाओं से जनता परेशान है। ऐसे माहौल में शराब दुकानें खुली रखना कानून व्यवस्था को और कमजोर करेगा। शहर अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि जब धार्मिक स्थल सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा पर भी सवाल उठता है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा को प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। जनता की सुरक्षा और त्योहारों की पवित्रता बनाए रखना सरकार का दायित्व है। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण ढंग से पुतला दहन कर अपनी नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शराब नीति में सुधार नहीं किया और कानून व्यवस्था मजबूत करने के ठोस कदम नहीं उठाए, तो आगे उग्र आंदोलन होगा।

कार्यक्रम में ममता चंद्राकर पूर्व विधायक, गोपाल चंद्रवंशी संगठन महामंत्री, वीरेंद्र जांगड़े, जगमोहन साहू, मणिकांत त्रिपाठी, नारायणी टेंडरे, सौखी साहू, चेतन वर्मा, घनश्याम साहू, संतोष यादव, नीलकंठ साहू, कलीम खान, मनीष शर्मा, विकाश केशरी, तुकाराम चंद्रवंशी, चोवा साहू, महेंद्र कुंभकार, गुरुदत्त शर्मा, खोरबहरा साहू, सतीश सिंह, रोमी खनूजा, मुरीद चंद्रवंशी, प्रमोद पात्र, जयंत जायसवाल, नरेंद्र मानिकपुरी, राजेंद्र साहू, लखन राजपूत, वाल्मीक वर्मा, प्रशांत परिहार, शिवप्रसाद वर्मा, कृष्ण नामदेव विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महिलाओं का उग्र रूप कभी भी सड़कों पर दिख सकता है- सीमा अनंत

महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा अनंत ने कहा कि होली के दिन शराब की खुली बिक्री से झगड़े, मारपीट, सड़क दुर्घटनाएं, छेड़छाड़ और घरेलू हिंसा जैसी घटनाएं बढ़ने की तीव्र आशंका है। केवल महिला कांग्रेस ही नहीं, बल्कि समाज में प्रत्येक वर्ग की महिलाएं इस निर्णय का पुरजोर विरोध कर रही हैं, जिसमें निर्णय लेने वाली सरकार के घर की महिलाएं भी हो सकती हैं। पहले से ही प्रदेश में अपराध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बाद की स्थिति का सरकार अभी अंदाजा भी नहीं लगा पा रही है। महिलाओं की सहनशक्ति भी अब जवाब देने लगी है और कभी भी सड़कों पर उनका उग्र रूप दिखाई दे सकता है।

संक्षिप्त-खबर

आई.टी.आई. पुलगांव में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, 40 विद्यार्थियों को नि:शुल्क हेलमेट वितरण

दुर्ग/ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय एवं परिवहन आयुक्त कार्यालय, नवा रायपुर द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शासकीय आई.टी.आई. पुलगांव में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया तथा लगभग 40 छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क हेलमेट वितरित किए गए। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने एवं वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखने की अपील किया जा रहा है, जिससे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री एस.एल. लकड़ा, परिवहन निरीक्षक श्रीमती अरूणा साहू, श्री सुभाष बंजारे (सांख्यिकी अधिकारी), श्री लोकेश पाटिल सहित संस्था के प्रभारी प्राचार्य श्री मिथलेस सोनखुटिया, प्रशिक्षण अधिकारी श्री बी. कुमार, श्री ज्योति प्रसाद एवं श्रीमती पुष्पा देवांगन उपस्थित रहे।

अग्निवीर भर्ती 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित 01 अप्रैल 2026 तक

दुर्ग/ सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के द्वारा भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती 2027 के लिए अधिसूचना जारी कर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। दुर्ग जिले के ऐसे अविवाहित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी जिनकी जन्म तिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के मध्य है, वे इस भर्ती के लिए 01 अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अग्निवीर जनरल ड्यूटी (पुरुष व महिला), अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर व अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं व 10वीं पास) के पदों पर भर्ती की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष बने विक्की सलूजा

पिथौरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन के संस्थापक हरपाल सिंह भामरा एवं छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन के प्रदेशाध्यक्ष दलजीत सिंह चावला,बंटी चावला ने रायपुर में सभी सिक्ख समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति में अपनी नवनियुक्त कार्यकारिणी की घोषणा की है।

जिसमे पिथौरा नगर के सक्रिय एवं ऊर्जावान युवा नेता विक्की सलूजा को छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन का प्रदेश उपाध्यक्ष की बड़ी ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

इस महती ज़िम्मेदारी मिलने पर उनके समर्थकों,शुभचिंतकों में खुशी की लहर है। पिथौरा क्षेत्र से पहली बार किसी व्यक्ति को प्रदेश उपाध्यक्ष की कमान मिली है जिससे सभी में उत्साह एवं उमंग का संचार हुआ है। गौरतलब हो कि नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष विक्की सलूजा की जिले में एक युवा नेता के रूप में अलग पहचान है। उनके पास युवाओं की लंबी फौज है। लगातार भारतीय जनता पार्टी संगठन के अनेक पदों पर रहकर भाजपा को मजबूती प्रदान करने का काम करते रहे है। युवा नेतृत्व के रूप में बड़े बड़े आयोजन में उनकी भागीदारी रहती है।

प्रदेश उपाध्यक्ष विक्की सलूजा ने कहा कि, हमारे सिक्ख समाज के वरिष्ठ जनों के द्वारा मुझे बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी दी गई है, और मैं इस अवसर पर अपने सभी समाज जनों का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ । जिस उम्मीद के साथ जिस विश्वास के साथ हमारे संस्थापक हरपाल सिंह भामरा एवं प्रदेशाध्यक्ष दलजीत सिंह चावला,बंटी चावला के द्वारा मुझे यह सम्मान दिया गया है। जिम्मेदारी दी गई है मैं उस पर खरा उतरने का प्रयास करूँगा।

श्री सलूजा ने आगे कहा कि हमारे सिक्ख समाज सेवा के लिए सदैव समर्पित रहता है। ग़रीब दुखी की सेवा करना ही हमारा दायित्व है। मैं सेवा कार्य को और अच्छे तरीके से आगे बढ़ाऊँगा और सभी के साथ मिलकर समाज को आगे ले जाने में अपना सहयोग प्रदान करूँगा

इस अवसर पर उनको सभी ने बधाई दी है, जिसने प्रमखु रूप से अरविंदर सिंह छाबड़ा,राजेंद्र सिंह खनूजा,सुरेंद्र सिंह छाबड़ा,दीपक सलूजा,रजिंदर सिंह बग्गा,मोनू सलूजा,राजा खनूजा,प्रिंस सलूजा,रिंशु सलूजा,सोनू माटा,हप्पू सलूजा,रवि चावला,अमित सलूजा,सोनू छाबड़ा,हर्ष छाबड़ा,सहित समाज के सभी सदस्यों ने तथा अन्य समाज के सभी समाज प्रमुख शामिल थे।

शिक्षा के मंदिर पर मंडरा रहा खतरा

कायतपाली में जर्जर भवन और कचरे का ढेर दे रहा हादसों को न्योता

बसना (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत कायतपाली से एक बेहद चिंताजनक तस्वीर सामने आई है, जहाँ भविष्य के कर्णधारों की सुरक्षा दांव पर लगी है। यहाँ स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के ठीक सामने खड़ा एक जर्जर भवन और चारों ओर फैला गंदगी का अंबार न केवल प्रशासनिक दावों की पोल खोल रहा है, बल्कि स्कूली बच्चों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

मैदान से खंडहर तक का सफर

ग्रामीणों ने बताया कि जिस स्थान पर आज खंडहर और कचरे का ढेर है, वह कभी बच्चों के खेलने का मुख्य मैदान हुआ करता था। यहाँ विभिन्न खेल स्पर्धाएं और राष्ट्रीय पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाए जाते थे। लेकिन आज यह जगह राजीव गांधी शिक्षा मिशन के तहत (स्व. रोहित ताण्डी द्वारा निर्मित) बने एक अनुपयोगी भवन के कारण बदहाल हो चुकी है।

सांप-बिच्छुओं का डेरा, बच्चों में दहशत

स्थानीय निवासी श्रवण सिदार और पृथ्वीराज सिदार ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि इस जर्जर भवन में अब केवल कचरा जमा होता है। गंदगी के कारण यहाँ जहरीले सांप और बिच्छू निकलने लगे हैं, जो स्कूल आने वाले बच्चों के लिए सीधा खतरा बने हुए हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में सरकार सफाई अभियान के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन धरातल पर हमारे बच्चों को गंदगी और खतरों के बीच पढ़ने को मजबूर होना पड़ रहा है। — **स्थानीय निवासी**

प्रशासन और पंचायत की अनदेखी

सूत्रों के अनुसार, स्कूल के शिक्षकों ने इस समस्या को लेकर पूर्व और वर्तमान सरपंच से कई बार लिखित व मौखिक शिकायतें की हैं। लेकिन हर बार कानूनी पेच और नियमों का बहाना बनाकर इस संवेदनशील मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

मुख्य सवाल जो जवाब मांगते हैं:

* क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?
* सफाई अभियान के नाम पर आने वाला बजट आखिर कहाँ खर्च हो रहा है?
* क्या शिक्षा के मंदिर के सामने इस तरह का 'नरक' स्वीकार्य है?

अब देखना यह होगा कि इस खबर के सामने आने के बाद पंचायत प्रशासन अपनी नींद से जागता है या फिर स्कूली बच्चे इसी तरह खतरों के साये में शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर रहेंगे।

रामनवमी पर आस्था का महायात्रा, 1008 अयोध्या दर्शन के लिए एक मार्च से होगा पंजीयन

बिलासपुर (समय दर्शन)। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या से बिलासपुर का आध्यात्मिक रिश्ता एक बार फिर जीवंत होने जा रहा है। रामनवमी के पावन अवसर पर 25 मार्च को 1008 रामभक्तों का जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना होगा। उद्योगपति, समाजसेवी प्रवीण झा के संयोजन में आयोजित इस निशुल्क यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह है। पंजीयन प्रक्रिया 1 मार्च से शुरू होगी, जिसके लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

रामनवमी के पावन पर्व पर आयोजित होने वाली अयोध्या धाम यात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रेस वार्ता में श्री झा ने बताया कि यह यात्रा लगातार तीसरे वर्ष आयोजित की जा रही है और अब तक 2016 श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। इस वर्ष भी 1008 भक्तों का जत्था अयोध्या के लिए रवाना होगा। उन्होंने बताया कि यात्रा पूर्णत: निशुल्क रहेगी, लेकिन पंजीयन अनिवार्य होगा। पंजीयन 1 मार्च से प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 10:30 बजे तक किया जाएगा। यात्रा में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं की आयु 18 से 65 वर्ष के बीच होना आवश्यक है तथा स्वस्थ होना अनिवार्य शर्त रहेगी। एक परिवार से केवल दो लोगों को अनुमति दी जाएगी। दर्शनार्थियों को पंजीयन के समय दो पासपोर्ट साइज फोटो और आधार कार्ड की छायाप्रति जमा करनी होगी। पिछले वर्ष वेटिंग सूची में रहे श्रद्धालुओं को भी इस बार प्राथमिकता मिलेगी। 25 मार्च को सुबह 11 बजे पुलिस ग्राउंड से यात्रा का शुभारंभ होगा। आयोजकों के अनुसार यह यात्रा केवल दर्शन ही नहीं, बिलासपुर की सांस्कृतिक आस्था को अयोध्या से जोड़ने का आध्यात्मिक सेतु बन चुकी है। इस अवसर पर यात्रा संयोजक प्रवीण झा के साथ यात्रा कार्यक्रम सहयोगी प्रफुल शर्मा, राम प्रताप सिंह, रौशन सिंह, रिंकू मित्रा, राजीव अग्रवाल मौजूद रहे।

मंडल पिरदा में हुआ महिला मोर्चा परिचात्मक बैठक का आयोजन

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्मिता हितेश चंद्राकर के प्रथम आगमन पर पिरदा मण्डल ने किया भव्य स्वागत

महिला मोर्चा पिरदा मण्डल द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्म दिवस पर हनुमान चालीसा का पाठ

बसना (समय दर्शन)। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती चन्द्राकार एवं जिला प्रदेश के पदाधिकारियों ने भारत माता के छाया चित्र की पूजा अर्चना कर किया।

यह कार्यक्रम महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के निर्देशानुसार, भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष येतराम साहू के अनुमति एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्मिता हितेश चंद्राकर के मार्गदर्शन में किया गया।

पिरदा मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान एवं महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष व जनपद सदस्य विमला बेहरा के नेतृत्व में महिला मोर्चा के समस्त पदाधिकारियों ,कार्यकरिणी सदस्यों का परिचात्मक बैठक रखा गया ।

श्रीमती चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में पिरदा मंडल अध्यक्ष अभिमन्यु प्रधान एवं पिरदा मंडल महिला मोर्चा विमला बेहरा की बहुत प्रसंशा के साथ कहा कि पिरदा महिला मोर्चा अध्यक्ष का काम जिला ही नहीं प्रदेश में भी सराहा जा रहा है ।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा द्वारा सभी पदाधिकारी कार्यकारिणी से परिचय कर सबको बधाई देते हुए केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए सभी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देकर महिला मोर्चा के हर कार्यक्रम में बड़ चढ़ कर भाग लेने प्रेरित किया ।

कार्यक्रम को पुष्पलता चौहान, उषा पटेल , तारेश्वरी नायक, शशी पटेल द्वारा संबोधित किया गया ।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा पुष्पलता चौहान, जिला उपाध्यक्ष हरप्रासाद पटेल, जिला महामंत्री तारेश्वरी नायक, जिला उपाध्यक्ष म. मो. शशिकला पटेल, सीमा नायक, जगमोती भोई जिला सभापति।

उक्त कार्यक्रम में महिला मोर्चा के साथ जिला/मंडल के पदाधिकारी इंदल बरिहा उपाध्यक्ष अ. ज. जा. मोर्चा , मंत्री किसान मोर्चा राजकुमार पटेल, परशुराम गड़तिया जिला कार्यकारणी सदस्य, पूर्व जिला पंचायत सदस्य त्रिलोचन नायक, नीलमणि बारीक, सुरेश नायक, हेतराम राठौर, हरिकेश भोई, बाबुलाल नेटी, सांकरा मंडल अध्यक्ष म. मो. चेतना साहू, गढ़फुलझर मंडल अध्यक्ष म. मो. सावित्री कश्यप, बसना मंडल अध्यक्ष म. मो. दीपा साहू , महामंत्री द्वय पदमा रातडे व रीना प्रधान, उपाध्यक्ष पंचबाई नंद, जयंती पटेल, ज्योति चौधरी, मंत्री सरिता प्रधान, सरिता यादव, प्रवक्ता प्रियंका पटेल, इंदु पटेल , उपसरपंच सत्यवती पटेल , पद्मनी यादव, विमला पटेल , रंभा लोहा, प्रभासीनी राठौर, कौशल्या प्रधान आदि महिला मोर्चा मंडल के समस्त पदाधिकारियों एवं महिला बहनों की उपस्थित में सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सुभाष बंजारा द्वारा किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26